

रजिस्ट्री सं. डी-222

REGISTERED NO. D-222



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4]

दिल्ली, शनिवार, जनवरी 24, 1970 (माघ 4, 1891)

No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 24, 1970 (MAGHA 4, 1891)

इस भाग ने चिन्ह पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह यथग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 18 दिसम्बर, 1969 तक प्रकाशित किये गये हैं :

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 18th December 1969:—

धंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)

—NIL—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएगी।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से बस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची (CONTENTS)

विषय-सूची (CONTENTS)	पृष्ठ	पृष्ठ	
भाग I—खंड 1—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम म्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	77	भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मन्त्रा- लय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रा- लयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं ..	503
भाग I—खंड 2—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम म्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	111	भाग II—खंड 4—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	11
भाग I—खंड 3—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	—	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक- सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च म्याया- लयों और भारत सरकार के संस्थान तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ..	107
भाग I—खंड 4—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	93	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	27
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं ..	7
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधयकों सम्बन्धी प्रबन्ध समिनियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिय अधिसूचनाएं जिनमें अधि- सूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल है	35
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रा- लय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रा- लयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित है)	329	भाग IV—गैर-सरकारी अधिकारीयों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें .. पूरक संख्या 4— 17 जनवरी 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	129
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	77	27 विसम्बर 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह के द्वितीय में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आकड़े	145
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appoint- ments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	111	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	503
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	11
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appoint- ments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	93	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Sub- ordinate Offices of the Government of India	107
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	27
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	7
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye- laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	329	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	35
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	15
		SUPPLEMENT No —4	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 17th January 1970 Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 27th December 1969	129
			145

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विशितर मियरों, विनियमों तथा अदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं।

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली-1, विनांक 22 दिसम्बर 1969

संकल्प

सं० एफ० 15/12/67-एस० ३—सुधार सेवाएं प्राचीन समय से ही समाज कल्याण कार्य का समीकृत भाग रही है। सामाजिक संरक्षण सेवाएं, जिसके एक समीकृत भाग के रूप में सुधार सेवाएं हैं, दूसरी पंचवर्षीय योजना में आरम्भ की गई। सुधार सेवाओं का केन्द्रीय व्यूरो 1961 में स्थापित किया गया ताकि केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों और स्वैच्छिक संस्थाओं को तकनीकी सेवाएं प्रदान की जा सकें। सुधार सेवाओं ने बहुत-सी राज्य विकास योजनाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान धारण कर लिया है। इस कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए बहुत सारी संस्थाएं और एजेंसियां विकसित की गई हैं।

2. अब सुधार सेवाओं का एक केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड स्थापित करने का निर्णय लिया गया है और उसके लक्ष्य इस प्रकार होंगे :—

- (i) केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सुधार सेवाओं के सम्बन्ध में नीति विषयक मामलों पर परामर्श देना;
- (ii) देश भर में सुधार सेवाओं के कार्यक्रम को कारगर हाँग से विकसित करने में केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों को सहायता प्रदान करना तथा सेवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान अन्तरों को घटना;
- (iii) अन्य लक्ष्य :
 (क) अपचार और अपराध को रोकने, नियंत्रण तथा उसके इलाज सम्बन्धी सभी पक्षों के बारे में परामर्श देना;
 (ख) न्याय, प्रशासन, पुलिस प्रशासन और सुधार-सेवा प्रशासन के समन्वय स्तर में सुधार के उपायों का सुझाव देना; और
 (ग) अपराधियों के पुनर्वास हेतु सामाजिक चेतना लाने के लिए उपाय एवं साधनों सम्बन्धी सुझाव देना।

3. बोर्ड की संरचना इस प्रकार होगी :—

प्रध्यक्ष

श्री पी० गोविन्द मेनन,
समाज कल्याण मंत्री।

उपाध्यक्ष

ज्ञा० (श्रीमती) फूलरेणु गुह,
समाज कल्याण राज्य-मंत्री।

सहस्य

श्री पी० पी० आई० वैद्यनाथन,
अतिरिक्त सचिव, समाज कल्याण विभाग,
भारत सरकार।

श्री एम० सी० नानाबती,
सलाहकार समाज कल्याण,
समाज कल्याण विभाग,
भारत सरकार।

गृह मंत्रालय से वो प्रतिनिधि
श्री ए० के० श्रीनिवासमूर्ति,
उप विधायी परामर्शदाता,
विधि मंत्रालय।

श्री एस० श्री० मटाचार्य,
जेलों के महानिवेशक,
परिचम बंगाल।

श्री डी० जे० जाधव, आई०ए०एस०
जेलों के महानिरीक्षक,
महाराष्ट्र।

श्री ई० स्टेसी,
जेलों के महानिरीक्षक,
सामिल नाडू।

श्री एच० सी० सक्सेना,
जेलों के महानिरीक्षक,
उत्तर प्रदेश।

श्री एन० जी० पंड्या,
निदेशक समाज कल्याण,
गुजरात।

श्री राम सिंह,
निदेशक समाज कल्याण,
मध्य प्रदेश।

श्री के० लक्ष्मण राव,
निदेशक समाज कल्याण,
मैसूर।

श्री इकबाल सिंह,
निदेशक समाज कल्याण एवं जेलों के महानिरीक्षक,
दिल्ली।

श्री जे० जे० पमकल,
अध्यक्ष, अपराध-विभाग विभाग,
सामाजिक विभागों का टाटा संस्थान,
बम्बई।

श्री ए० वी० जौन,
जेलों के अवकाश प्राप्त महानिरीक्षक,
अरणाकुलम, कोटीन-15।

श्रीमती सीता बसु,
भूतपूर्व अवैतनिक मजिस्ट्रेट,
बाल-न्यायालय, सबस्थ, फैकल्टी,
सामाजिक कार्य का दिल्ली स्कूल।

सदस्य-सचिव

श० (श्रीमसी) ज्योतसना एच० शाह,
निदेशक, सुधार सेवाओं का केन्द्रीय ब्यूरो।

4. सलाहकार बोर्ड की कार्यविधि दो वर्ष होगी।

5. समिति की सदस्यता के लिए कोई भी विशेष पारिश्रमिक नहीं मिलेगा। तो भी, सदस्यों को अपने नियत-कार्य हेतु जो यात्राएं करनी पड़ेंगी, उनके लिए वे वैनिक भर्ते और यात्रा भर्ते के हक्कार होंगे; अधिकारियों को यह भर्ते उनके विभागों के नियमों के अनुसार मिलेंगे तथा गैर-सरकारी सदस्यों को भारत सरकार के ग्रेड I अधिकारियों के दर के अनुसार मिलेंगे।

आदेश

आदेश किया जाता है कि संकल्प की एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, भारत सरकार के सब मन्त्रालयों, योजना आयोग, मंत्री परिषद सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसद-कार्य विभाग, राज्य सरकारों/संघ कोर्टों के मुख्य सचिवों को भेजी जाय।

यह भी आदेश किया जाता है कि यह संकल्प आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

पी० पी० आई० वैद्यनाथन, अतिरिक्त सचिव

गृह मन्त्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जनवरी 1970

स० 8/64/69-के० स० (2)---केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा सशस्त्र सेना मुद्यालय लिपिक सेवा के निम्न श्रेणी ग्रेड में, नियमित रूप से नियुक्त घरुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए आरक्षित अस्थायी रिक्त स्थानों को भरने के लिए सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल, गृह मन्त्रालय, नई दिल्ली द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियमों से संबंधित इस मन्त्रालय के दिनांक 27 दिसम्बर, 1969 की अधिसूचना में पैरा 5 के भाग II की जगह निम्नलिखित शब्दावली प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“II. आयु—वह 1 जनवरी, 1969 को 45 वर्ष की आयु से अधिक नहीं होनी चाहिए, अर्थात् 1 जनवरी, 1924 से पहले उसका जन्म नहीं हुआ हो।

दिप्पणी: 45 वर्ष की आयु-सीमा केवल पहली दो परीक्षाओं के लिए लागू होगी। उसके बाद 40 वर्ष की आयु-सीमा होगी।

यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिक जाति का हो तो उपर्युक्त निर्धारित आयु-सीमा में अधिक से अधिक 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

एम० के० बासुदेवन, अवर सचिव

नियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 दिसम्बर 1969

स० 8/62/69-सी०ए० II—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जून 1970 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों में अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिये ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्व सामान्य सूचना के लिये प्रकाशित किये जाते हैं:—

- (i) आशुलिपिक सब केडर का भारतीय विवेश (ख) —ग्रेड II
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा—ग्रेड II
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा—ग्रेड II (ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)।
- (iv) सशस्त्र सेना मुद्यालय आशुलिपिक सेवा—ग्रेड II
- (v) निर्वाचन आयोग, दिल्ली के कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद
- (vi) केन्द्रीय सतर्कता आयोग दिल्ली के कार्यालय में आशुलिपिकों के पद
- (vii) संसद कार्य विभाग दिल्ली में आशुलिपिकों के पद
- (viii) पर्यटन विभाग दिल्ली में आशुलिपिकों के पद
- (ix) अनुसंधान दिजायन तथा मानक संगठन लखनऊ के महानिदेशालय में आशुलिपिकों के पद
- (x) आयुद्ध निर्माणी के महानिदेशालय, कलकत्ता में आशुलिपिकों के पद।
- (xi) भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/सशस्त्र सेना मुद्यालय आशुलिपिक सेवा में भाग न लेने वाले भारत सरकार के विभागों तथा अधीन संबद्ध कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद।

उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक या एक से अधिक से संबंधित परीक्षा में प्रवेश के लिए यदि कोई उम्मीदवार आवेदन दे सकता है। इन सेवाओं/पदों में से जितनों के लिए भी वह उम्मीदवार होना चाहे अपने आवेदन पत्र में उनका निर्देश कर सकता है।

व्याप के— उम्मीदवारों को चाहिये, कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता करना चाहते हैं उनका प्राथमिकता-क्रम स्पष्टतः लिख दें। उम्मीदवार द्वारा प्रारंभ में अपने आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट सेवाओं/पदों के प्राथमिकता-क्रम में परिवर्तन करने की किसी भी ऐसी प्रार्थना पर, जो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त 1970 को या उससे पहले न मिल जाए, विचार नहीं किया जाएगा।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट I में विहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीखें और स्थान आयोग द्वारा निश्चित किये जायेंगे।

3. (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो
 (क) भारत का नागरिक हो, या
 (ख) सिक्खिम की प्रजा, या
 (ग) नेपाल की प्रजा, या
 (घ) भूटान की प्रजा, या
 (ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पूर्व भारत आ गया हो, या
 (च) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, लंका और कम्या उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूत पूर्व टांगानीका और जंजीबार) इन प्रृथ्वी अफ़्रीका देशों से प्रवर्जित हुआ हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ), (ङ) और (च) श्रेणियों से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परन्तु, निम्नलिखित में से किसी श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक नहीं होगा:—

- (i) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 से पहले पाकिस्तान से भारत में प्रवर्जित हुए और तब से साधारणतः भारत में ही रह रहे हैं।
 (ii) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में प्रवर्जित हुए, और संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन अपने आप को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत कर चुके हैं।
 (iii) ऊपर की (घ) श्रेणी के वे गैर-नागरिक, जो संविधान लागू होने की तारीख अपर्याप्त 26 जनवरी 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आए और तब से लगातार उस सेवा में काम कर रहे हैं। परन्तु किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो सेवा भंग करके 26 जनवरी, 1950 के बाद उस सेवा में फिर आया हो या फिर जाए, तो उसे औरों की तरह पात्रता-प्रमाण पत्र लेना आवश्यक होगा।

इसके अलावा एक शर्त यह भी है कि उपर्युक्त (ग) (घ) और (ङ) श्रेणियों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) (आशुलिपिकों के सब कैडर के ग्रेड II) में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

किसी उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता-प्रमाणपत्र आवश्यक है, यदि सरकार आवश्यक प्रमाणपत्र दें देतो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है और अनन्तिम रूप में उसकी नियुक्ति भी जा सकती है।

4. जा उम्मीदवार किसा अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का न हो, या संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का या संघ राज्य क्षेत्र गोवा वर्मन और वियू का निवासी न हो, या कैन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानीका और जंजीबार) से प्रव्रज्ञ कर के न आया ही वह परीक्षा में दो बार से अधिक प्रतियोगिता नहीं कर सकेगा, किन्तु यह प्रतिष्ठित सन् 1962 में हुई परीक्षा से लागू होगा।

टिप्पणी :—(1) यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता करे तो, इस नियम के प्रयोजन के लिये उस उम्मीदवार को परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सभी सेवाओं/पदों के लिए एक बार प्रतियोगिता-परीक्षा में बैठा माना जाएगा।

टिप्पणी :—(2) किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हुआ तब माना जाएगा, जब वह वास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह जरूरी है कि 1 जनवरी 1970 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 साल की हो गई हो और पूरे 24 साल की न हुई हो, अर्थात उसका जन्म 2 जनवरी 1946 से पहले और 1 जनवरी, 1952 के बाद न हुआ हो।

(ख) उक्त ऊपरी आयु सीमा उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक की छूट दे दी जायगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों अथवा निवाचिन आयोग तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के कार्यालयों में आशुलिपिकों (इसमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल है)। लिपिकों (आशु-टंककों) के पदों पर नियुक्त हैं और 1 जनवरी 1970 को जिन्होंने आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक समेत)। लिपिक/आशु-टंककों के रूप में कम से कम तीन वर्ष की निरन्तर सेवा की है, तथा उक्त पदों पर अभी काम कर रहे हैं।

परन्तु उपर्युक्त आयु संबंधी छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जायगी जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पहले लांगी गई परीक्षाओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी में आशुलिपिक के रूप में नियुक्ति किया जा चुके हैं:—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, या
 (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा, या
 (iii) भारतीय विदेश सेवा (ख), या
 (iv) सशस्त्र सेवा मुद्यालय आशुलिपिक सेवा

टिप्पणी :—डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल-झाक लंटाईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5(ख) के प्रयोजन के लिये लिपिक के ग्रेड में की गई सेवा मानी जायगी।

(ग) ऊपर के सभी मामलों में ऊपरी आयु-सीमा में निम्नलिखित रूप में अतिरिक्त छूट दी जायगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;

- (ii) यदि उम्मीदवार निवासी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद प्रवाजन करते भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद प्रवाजन करते भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक;
- (iv) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो और किसी स्तर पर उसकी शिक्षा केंद्र भाषा के माध्यम से हुई हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (v) यदि उम्मीदवार लंका से आया हुआ वास्तविक देशप्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद में लंका से भारत में प्रवाजित हुआ हो, तो अधिकतम तीन वर्ष तक;
- (vi) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा लंका से आया हुआ वास्तविक देशप्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद लंका से भारत में प्रवाजित हुआ हो तो अधिकतम आठ वर्ष तक;
- (vii) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र गोआ, दमन और दियु का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (viii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और कन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवाजित हो तो अधिकतम 3 वर्ष;
- (ix) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देशप्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवाजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (x) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो बर्मा से आया हुआ वास्तविक देशप्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवाजित हुआ हो, तो अधिकतम आठ वर्ष तक;
- (xi) किसी दूसरे देश से जगड़ों के द्वारान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्रवाईयों को करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नीकरी से रिलीज़ रक्षा-सेवा कार्मिकों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष तक;

(xii) सी दूसरे देश से जगड़ों के द्वारान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्रवाईयों करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नीकरी से रिलीज़ ऐसे रक्षा-सेवा कार्मिकों के मामलों में, जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से संबंधित हों, अधिकतम 8 वर्ष तक;

अपर अताई यहि रि ति १ के अलावा ऊपर चिह्नित आयु सीमाओं में किसी भी हालत में कूद नहीं दी जा सकेगी ।

ध्यान दें :—(i) यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम

5(ब) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि वह आवेदन पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, नीकरी से स्थाग पत्र दे दें या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएँ समाप्त कर दी जाएं तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है लेकिन यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाय तो वह पात्र बना रहेगा ।

(ii) किसी आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक समेत) लिपिक/आशुलिपिक जो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंबंध पद (एप्स-फैडर पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, उसे परीक्षा में बैठने दिया जाएगा, यदि वह अन्यथा पात्र हो ।

6. यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षाओं में से कोई एक पास की हो और उसके पास निम्नलिखित में से कोई एक प्रमाण-पत्र हो :

(i) भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा;

(ii) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अंत में शालान्त (स्कूल लीविंग), माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाण-पत्र के दिये जाने के लिये, जिसे वह राज्य सरकार नीकरी में प्रवेश के लिये मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के समक्ष मानती हो, ली गई परीक्षा;

(iii) कम्बिज स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा (सीनियर कैम्बिज);

(iv) राज्य सरकारों द्वारा ली गई यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा;

(v) श्री अर्बिक अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षाकेन्द्र पांडिचेरी के उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम का दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र;

(vi) दिल्ली पौलीटिकनीक के तकनीकी हायर सेकेंडरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र;

(vii) किसी मान्यता-प्राप्त हायर सेकेंडरी स्कूल या इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को पढ़ानेवाले किसी मान्यता-प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र;

- (viii) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा, केबल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिये;
- (ix) बंगाल (विज्ञान) स्कूल सटिफिकेट;
- (x) नैशनल काउन्सिल आफ एजुकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद्) जादवपुर, पश्चिमी बंगाल की (शुरू से लेकर) फाइनल स्कूल स्टेंडर्ड परीक्षा;
- (xi) पांडेचेरी की नीचे लिखी फैन्च परीक्षाएँ, (i) ब्रीवे एलिमेन्टर (ii) ब्रीवे द “एंसीमा” प्रीमीयर व लांग इंडियन (iii) ब्रीबि “एत्यक्षदयू प्रीमीयर सीवल (iv) ब्रीवे द एंसीमा प्रीमीयर सूपीरियर दे लांग इंडियन और (v) ब्रीवे दे लांग इंडियन (वर्नाकूलर);
- (xii) इंडियन आर्मी स्पैशल सटिफिकेट आफ एजुकेशन;
- (xiii) भारतीय नौसेना का हायर एजुकेशनल टैस्ट;
- (xiv) एडवास्ट क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा।
- (xv) सीलोन सीनियर स्कूल सटिफिकेट परीक्षा;
- (xvi) इस्ट बंगाल सैकेन्डरी एजुकेशन बोर्ड, ढाका द्वारा विद्या गया प्रमाण पत्र;
- (xvii) कोमीला/राजशाही/खुलमा (पूर्वी पाकिस्तान) के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा दिए जानेवाले माध्यमिक स्कूल प्रमाण पत्र;
- (xviii) नेपाल सरकार की स्कूल लीविंग सटिफिकेट परीक्षा
- (xix)
- (xx) एंग्लोवनकूलर स्कूल लीविंग सटिफिकेट बर्मा;
- (xxi) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एजामिनेशन सटिफिकेट;
- (xxii) शिक्षा विभाग बर्मा (युद्ध पूर्व) की एंग्लोवनकूलर हाई स्कूल परीक्षा;
- (xxiii) बर्मा का पोस्ट-वार स्कूल लीविंग सटिफिकेट;
- (xxiv) गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद की “बीनति” परीक्षा;
- (xxv) गोआ, दमन और दियु की पुर्तंगाली परीक्षा “लाईसेंस्यूम” के पांचवें वर्ष में पास:
- (xxvi) “सामान्य” स्तर पर लंका की जनरल सटिफिकेट शास्त्र एजुकेशन नामक परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिंहली या तमिल सहित छः विषयों में पास की गई हो।
- (xxvii) सामान्य स्तर पर लंदन के एसोशियेटेड एंजामिनेशन बोर्डेस की जनरल सटिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हो।
- (xxviii) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर सैकेन्डरी तकनीकी स्कूल परीक्षा।

टिप्पणी :— यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा, जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, वे चुका हो, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में

वह इस परीक्षा में बैठने के लिये आवेदन पत्र भेज सकता है। जो उम्मीदवार उक्त किसी अहंक (कवालिफाईंग) परीक्षा में बैठना चाहता हो, वे भी आवेदन पत्र दे सकते हैं बशर्ते कि वह अहंक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले पूरी हो जाये। ऐसे उम्मीदवारों को यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हैं, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा किन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम रोगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण पत्र जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा शुरू होने की तारीख से अधिक से अधिक तो भानी के अन्दर प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकेगी।

टिप्पणी-ii—किन्तु आपवादिक मामलों में, किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसके पास इस नियम में विहित उपाधि नहीं है संज लोक सेवा आयोग अहंता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकता है, बशर्ते कि उसने किन्तु और संस्थाओं की ऐसी परीक्षाएँ पास की हुई हों जिनका स्तर, आयोग की राय में, परीक्षा में प्रवेश के लिए स्थायोचित है।

7. (क) जिस पुरुष उम्मीदवार की एक से अधिक जीवित पत्नियां हों या एक पत्नी के जीवित रहने पर भी किसी ऐसी स्थिति में विवाह करें कि वह विवाह उक्त पत्नी के जीवित रहने की अवधि में किये जाने के कारण शून्य (वायद) हो जाए तो उसे उन सेवाओं/पदों पर जिनके लिये इस प्रतियोगिता-परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं, नियुक्ति का तब तक पाल नहीं माना जाएगा जब तक कि भारत सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसा करने के विशेष कारण है और पुरुष उम्मीदवार को इस नियम से छूट न दे दें।

(ख) जिस महिला उम्मीदवार का विवाह इस कारण शून्य (वायद) हो कि उक्त विवाह के समय उसके पति की एक जीवित पत्नी पहले से ही या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसकी उक्त विवाह के समय एक जीवित पत्नी हो, वह उन सेवाओं/पदों में से किसी पर जिनके लिये इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं, नियुक्ति की, तब तक पाल नहीं मानी जाएगी जब तक कि भारत सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसा करने के विशेष कारण है और उस महिला उम्मीदवार को इस नियम से छूट न दे दें।

(ग) कोई भी व्यक्ति जिसने किसी विदेशी राष्ट्रिक से विवाह किया हो भारतीय विदेश सेवा (ज) में नियुक्ति का पाल नहीं होगा।

(घ) जिस व्यक्ति के तीन से अधिक बच्चे होंगे वह भारतीय विदेश सेवा (ज) में नियुक्ति का पाल नहीं होगा।

8. जो उम्मीदवार स्थानी हैसियत में पहले से ही सरकारी सेवा कर रहा हो, उसे इस परीक्षा में बैठने के लिए अपने विभाग-अध्यक्ष की अनुमति अवश्य ले लेनी चाहिए।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कु-शालतापूर्वक निभाने में बाधक हों यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जास हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सका है तो उसकी नियुक्ति नहीं

की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाकटरी परीक्षा की जाएगी जिनपर नियुक्ति के संबंध में विचार किए जाने की समझना हो।

टिप्पणी : अशक्त भूतपूर्व रथा सेवा कामिकों के संबंध में रक्षा-सेवा के डीमोबीलाइजेशन मेडिकल बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाणपत्र नियुक्ति के लिये पर्याप्त समझा जायगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपावृत्ता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (सटिफिकेट ऑफ एडिमिशन) न हो।

12. उम्मीदवारों को आयोग की विज्ञप्ति के अनुबंध—I में विहित फीस देनी होगी।

13. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो वह परीक्षा में बैठने के लिये अनहैं घोषित किया जा सकेगा।

14. यदि कोई उम्मीदवार आयोग द्वारा इस बात के लिए दोषी घोषित किया जाए या कर दिया गया हो कि उस ने किसी दूसरे व्यक्ति से अपनी परीक्षा विलवाई है या जाली प्रमाण पत्र आदि पेश किए हैं या ऐसे प्रमाणपत्र पेश किये हैं जिसमें कोई हेराफेरी की गई है या गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया है या परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के लिए किसी और अनियमित या अनुपयुक्त तरीके से काम लिया है या परीक्षा भवन में अनुचित तरीकों से काम लिया है या काम लेने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में कोई अनुचित आचरण किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (फ्रिमिनल प्रोजीक्यूशन) चलाया जा सकता है और साथ ही :

(क). आयोग उसे हमेशा के लिये या किसी विशेष अवधि के लिये :

(i) आयोग उम्मीदवारों के चुनाव के लिये उसके द्वारा सी जाने वाली किसी परीक्षा या इन्टरव्यू में शामिल होने से रोक सकती है, और

(ii) केन्द्रीय सरकार, अपने अधीन नियुक्त होने से रोक सकती है, (ख) यदि वह पहले से ही सरकारी सेवा में नियुक्त हो तो उसके खिलाफ उपयुक्त नियमों के अंतर्गत अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

15. भारत सरकार जैसा निश्चय करे, उस तरह से निर्धारित अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये पद आरक्षित रखे जायें।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों का अर्थ है अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति (संशोधन) आदेश, 1956, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 1956 के साथ पठित, संविधान (जम्मू व काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 संविधान (अन्देमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1959 संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1962 संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित

आदिम जाति आदेश 1962 और संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिमजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967, संविधान (गोआ दमन दीव) अनुसूचित जाति आदेश 1968 और संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1968 में उल्लिखित कोई जाति।

16. परीक्षा के पश्चात् प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर आयोग उनकी एक वरीष्टता के क्रम से सूची बनाएगा और उस क्रम के अनुसार आयोग उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों को सफलता प्राप्त समझेगा, उनके नाम अपेक्षित संख्या तक केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड II की व्यय सूची में सम्मिलित करने के लिए और इस परीक्षा के परीक्षार्थी के आधार पर भरे जाने वाले अन्य सेवाओं/पदों में अनारक्षित रिक्तियों में नियुक्ति के लिए अपेक्षित संख्यातक के नाम भेजे जाएंगे।

यह व्यवस्था की जाती है कि अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जातियों का कोई उम्मीदवार किसी सेवा/पद के लिए आयोग द्वारा निर्धारित स्तर प्राप्त न भी कर सका हो परन्तु केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड II की व्यय सूची में सम्मिलित करने के लिए अथवा अन्य किसी सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए प्रशासन की दक्षता का ध्यान रखते हुए उपयुक्त समझा जायेगा तो अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित संख्या तक केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड II की व्यय सूची में सम्मिलित करने के लिए और अन्य सेवाओं/पदों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित अन्य सेवाओं/पदों में नियुक्ति के लिए उनके नाम भेजे जायेंगे।

17. आवेदन पत्र भेजते समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार द्वारा दी गई प्रायिकताओं को परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियों करते समय समुचित रूप से ध्यान में रखा जायेगा।

18. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेदानुसार करेगा और आयोग परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

19. परीक्षा में पास हो जाने भाव से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता। इस के लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

20. उन सेवाओं/पदों के बारे में जिनके लिये इस परीक्षा द्वारा भर्ती/पद की जा रही है, संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट म दिया गया है।

परिशिष्ट I

1. परीक्षा के विषय, तथा प्रत्येक विषय के लिये दिया गया समय समय तथा पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

भाग क—लिखित परीक्षा

विषय	दिया गया समय	पूर्णांक
1. अंग्रेजी	3 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	3 घंटे	100

भाग—खः अंग्रेजी आशुलिपि परीक्षा विधित (परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिये) ।

300 अंक

टिप्पणी (I)—उम्मीदवारों को परीक्षा के निये अंग्रेजी के दो डिक्टेशन दिए जाएंगे पहला 120 शब्द प्रति मिनट की गति पर, जो सात मिनट का होगा, और दूसरा 100 शब्द प्रति मिनट की गति पर, जो दस मिनट का होगा । उम्मीदवारों को क्रमशः 45 और 40 मिनट में इन्हें टाइप कर लेना होगा ।

टिप्पणी (II)—जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन में न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे उन्हें 100 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से ऊपर रखा जाएगा । प्रत्येक वर्ग में उम्मीदवारों को, प्रत्येक उम्मीदवार को विए गए कुछ अंकों के अनुसार पारस्परिक प्रवरता अनुक्रम में रखा जाएगा ।

टिप्पणी (III)—उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नोट टाइप करने होंगे और इसके लिए उन्हें अपनी-अपनी टाइप मशीन लानी होगी ।

2. परीक्षा का पाठ्य विवरण साथ लगे परिशिष्ट में विए अनुसार होगा ।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए ।

4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे । किसी भी हालात में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता नेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

5. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित करेगा ।

6. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिये बुलाया जाएगा जो आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे ।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे ।

8. अस्पष्ट लिखावट के कारण, लिखित विषयों के अधिकतम अंकों में से, 5 प्रतिशत तक काट लिए जाएंगे ।

9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष लिहाज रखा जाएगा कि भाषाभिव्यक्ति आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में, क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई है ।

अनुसूची

परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

टिप्पणी :—भाग “क” के प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रीकुलेशन परीक्षा का होता है ।

अंग्रेजी :—यह प्रश्न-पत्र इस रूप में तैयार किया जाएगा, जिससे उम्मीदवारों के अंग्रेजी-व्याकरण और निबन्ध-रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जांच हो जाए । अंक देते समय वाक्य-विन्यास, सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा-कौशल को ध्यान में रखा जाएगा । इस प्रश्न-पत्र में भिन्न-भिन्न-लेखन, सार-लेखन, मसौदा-लेखन, शब्दों को

शुद्ध प्रयोग, आसान मुहावरों और उपसर्ग (प्रीपोजीशन); आयरेक्ट और इनडायरेक्ट स्पीच आदि शामिल किए जा सकते हैं ।

सामान्य ज्ञान :—निम्नलिखित विषयों की ओड़ी बहुत जानकारी :—भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, सामयिक घटनाएं, सामान्य विज्ञान तथा दिन प्रतिदिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए । उम्मीदवार के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह समझा है । उनके उत्तरों में किसी पाठ्य पुस्तक के व्यौरेवार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती ।

परिशिष्ट II

उन सेवाओं पर्वों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है ।

क. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक (स्टेनोग्राफर) सेवा

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित घार प्रेड है :—

घर्यन प्रेड : रु 350-25-500-30-590-द० अ०-30-800-द० अ०-30-830-35-900 (प्रेड I से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम रु 500 का प्रारम्भिक वेतन दिया जाता है) ।

प्रेड I : रु 350-25-650-द० अ०-30-770 (प्रेड II से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम रु 400 का प्रारम्भिक वेतन दिया जाता है) ।

प्रेड II : रु 210-10-270-15-300-द० अ०-15-450-द० अ०-20-530 ।

प्रेड III : रु 130-5-160-8-200-द० अ०-256-द० अ०-8-280 ।

(2) सेवा के प्रेड I में नियुक्त व्यक्ति 2 वर्ष तक परिवीक्षा-धीन रहेंगे । इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़े सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़े सकती हैं ।

(3) परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति की उसके पद पर पुष्टि कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा तो, उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि और जितनी बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है ।

(4) सेवा के प्रेड II में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कायालियों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा । किन्तु उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कायालिय में बदली हो सकती है ।

(5) सेवा के प्रेड II में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समम पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर प्रेड में पदोन्नत किये जाने के पात्र होंगे ।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के प्रेड II में उनकी अपनी इच्छा के अनुसार की जायग़, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के काझर में अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा न कर सकें।

क. रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा

(क) भर्ती प्रशिक्षण, पदोन्नति आदि के संबंध में रेलवे मंत्रालय में नियुक्त आशुलिपिकों की सेवा-शर्तें—रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना के अधीन होंगी जो भूतपूर्व केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक योजना के आधार पर बनाई गई हैं। इस योजना को अब केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियमों के आधार पर (जो हाल ही में जारी किये गये हैं) और संशोधित किया जा रहा है।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय अशुलिपिक सेवा रेलवे मंत्रालय तक ही सीमित है और केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के कर्मचारियों के समान अन्य मंत्रालयों में इस मंत्रालय के कर्मचारियों का तबादला नहीं होता।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए रेलवे बोर्ड आशुलिपिक सेवा के अधिकारी :—

- पेशन संबंधी लाभों के भागी होंगे; और
- अंशदायी राज्य रेलवे भविष्यनिधि में उस निधि के उन नियमों के अधीन जो सेवा में शामिल होने की तिथि से रेलवे कर्मचारियों पर लागू होते हैं, अंशकान देंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त किए गए उम्मीदवार समय-समय पर रेलवे बोर्ड द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रेलवे पास और विशेषाधिकार-टिकट-आवेशों के पास होंगे।

(ङ) जहां तक छुट्टियों और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित कर्मचारियों को रेलवे के अन्य कर्मचारियों के समान ही समझा जाता है। परन्तु चिकित्सा संबंधी सुविधाओं के लिए उन पर वे नियम लागू होंगे जो उन अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू होते हैं। जिनका मुच्यालय नई दिल्ली में है।

ग. भारतीय विदेश सेवा (ख) आशुलिपिकों के उप-संवर्ग का प्रेड II

भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिक उप-संवर्ग के प्रेड II का वेतन क्रम 210-10-270-15-300 रु० अ० 15-450 रु० अ० 20-530 रु० है। भारतीय विदेश सेवा (ख) के उप संवर्ग के प्रेड II में नियुक्त अधिकारियों पर, भारतीय विदेश सेवा शाखा “ख” (आर० सी० एस० पी०) नियम, 1964 तथा भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० स० ए०) नियम, 1961, जैसे कि वे भारतीय विदेश सेवा “ख” पर लागू होते हैं, तथा अन्य ऐसे नियम तथा आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किए जाएं, लागू होंगे।

भारतीय विदेश सेवा शाखा “ख” विदेश मंत्रालय तथा विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त अधिकारियों की बदली आम तौर पर विदेश व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय (विदेश व्यापार विभाग) के अतिरिक्त अन्य मंत्रालयों में नहीं की जा सकती। हाँ वे अन्य मंत्रालयों के स्टाफ के लिए रखे गये पदों पर विदेश में कहाँ भी नियुक्त किये जा सकते हैं। और अन्तर्राष्ट्रीय आयोगों आदि में भी लगाये जा सकते हैं। उन्हें भारत में या इससे बाहर और नान-फैमिली स्टेशनों में भी लगाया जा सकता है।

विदेश में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को अपने मूल वेतन के अलावा सम्बन्धित देशों के निवाह खर्च को देखते हुए समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली दरों पर विदेश भत्ता भी दिया जाता है। इसके अलावा भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों पर लागू होते हैं] के अनुसार उन्हें विदेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायते भी दी जाती हैं :—

- सरकार द्वारा निर्धारित स्तर के अनुसार निःशुल्क फर्नीचर सहित मकान।
- सहायित चिकित्सा योजना के अधीन चिकित्सा सुविधाएं।
- कुछ शर्तों के अधीन 8 से 21 वर्ष तक की आयु के भारत में शिक्षा पाने वाले बच्चों के लिए वर्ष में एक बार लम्बी छुट्टियों के दौरान माता पिता से मिलने के लिये वापसी हवाई यात्रा का किराया।
- समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर 5 से 18 वर्ष तक की आयु के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिये शिक्षा भत्ता।
- समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर और विहित नियमों के अनुसार विदेश सेवा के संबंध में सज्जा भत्ता। जिन अधिकारियों की नियुक्ति ऐसे देशों में की जाती है कि जहां असामान्य रूप से ठंड पड़ती है, उन्हें समान्य सज्जा भत्त के अलावा विशेष सज्जा भत्ता भी दिया जाता है।
- विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों तथा उनके परिवार के लिये छुट्टी में घर जाने का यात्रा व्यय।

सेवा के सदस्यों पर, कुछ आशोधनों के साथ, समय समय पर यथा-परिशोधित छुट्टी नियम, 1933 लागू होंगे। कुछ पड़ोसी देशों को छोड़कर अन्य देशों में नियुक्त अधिकारी-विदेश सेवा के लिए, परिशोधित छुट्टी नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य छुट्टी के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी-जमा के हकदार होंगे।

भारत में रहते हुए अधिकारी अपने समान तथा उसी स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए स्वीकार्य रियायतों के हकदार होंगे।

भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों पर समय-समय पर यथा-संशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियम 1960 तथा उनके अधीन जारी किये गए आवेश लागू होते हैं।

इस सेवा में नियुक्त अधिकारियों पर समय-समय पर यथा संशोधित उदारीकृत पैच्चान नियम, 1950 के तथा उसके अधीन जारी किये गए आदेश लागू होते हैं।

(अ) भारतीय चुनाव आयोग

चुनाव आयोग में आशुलिपिकों के पदों का वेतनमान केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के समान ही 210-10-270-15-300-द० अ०-15-450-द० अ०-20-530 र० होगा। किन्तु मे पद केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में शामिल नहीं है और इन पदों पर नियुक्त व्यक्ति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के काउर में सम्मिलित पदों पर नियुक्ति का कोई दावा न कर सकेंगे।

(ब) पर्यटन विभाग

पर्यटन विभाग में वरिष्ठ आशुलिपिकों के पद 210-10-290-15-320-द० अ०-15-425 के परिणोधित वेतनमान में स्वीकृत है और सामान्य केन्द्रीय सेवा (श्रेणी II) (अराजपत्रित)-लिपिक वर्गीय से संबंधित है। कम से कम 5 वर्ष की सेवा वाले वरिष्ठ आशुलिपिक 320-15-470-द० अ०-15-530 र० के वेतनमान में वैयक्तिक सहायकों के पद पर नियुक्ति के पात्र होते हैं। इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को आम तौर पर विभाग के मुख्यालय स्थापना में कार्य करना होगा किन्तु उन्हें भारत में कहीं भी काम करने के लिए कहा जा सकता है।

(च) सशस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित दो ग्रेड हैं :—

आशुलिपिक ग्रेड I (श्रेणी II राजपत्रित) — र० 350-26-650

आशुलिपिक ग्रेड II (श्रेणी II अराजपत्रित) — र० 210-10-270-15-300 द० अ०-15-450-द० अ० 20-530।

ग्रेड I के पदों की भरती ग्रेड II के आशुलिपिकों में से पदोन्नति द्वारा की जाती है सीधी भरती केवल ग्रेड II में की जाती है।

2. अस्थाई आशुलिपिक ग्रेड II के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि में उनकी असंतोषजनक सेवा के परिणामस्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को सेवा से निकाला जा सकता है। परिवीक्षा के दौरान किसी कर्मचारी को सरकार द्वारा समय-समय पर विहित किया जाने वाला प्रशिक्षण प्राप्त करना और विहित टैस्ट पास करना पड़ सकता है।

3. सशस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किए गए आशुलिपिक ग्रेड II आमतौर पर दिल्ली/नईदिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय और अन्तसेवा संगठनों में किसी एक में नियुक्त किये जायेंगे। किन्तु उनकी बदली दिल्ली/नई दिल्ली से बाहर ऐसे नगरों में भी की जा सकेंगी जहाँ सशस्त्र सेना मुख्यालय/अंतःसेवा संगठनों के कार्यालय स्थित हों।

4. आशुलिपिक ग्रेड II समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार आशुलिपिक ग्रेड I के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

5. छुट्टी, 1 चौथांसी सहायता तथा सेवा का अन्य शर्ते वहीं हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय और अन्तसेवा संगठनों में नियुक्त अन्य सचिवालयिक कर्मचारियों पर लागू होती है।

(छ) संसद कार्य विभाग

इस विभाग में आशुलिपिकों के पदों का वेतनमान 210-10-270-15-300-द० अ०-15-450-द० अ०-20-530 र० है।

प्रतियोगिता परीक्षा के जरिये चुनाव द्वारा सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रखा जाएगा।

(ज) भारतीय केन्द्रीय सतकंता आयोग

केन्द्रीय सतकंता आयोग में आशुलिपिकों के पदों का वेतनमान केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के आशुलिपिकों के वेतनमान के समान अर्थात् र० 210-10-270-15-300-द० अ०-15-450-द० अ० 20-530 है, परन्तु ये पद उस सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

नियम

दिनांक 27 दिसम्बर 1969

सं० 8/64/69-के० से० (II) — केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए आक्षित अस्थायी रिक्त स्थानों को भरने के प्रयोजन के लिए गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम संबंधाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

जो उम्मीदवार परीक्षा में प्रविष्ट किए जाएंगे वे निम्नलिखित सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड के रिक्त स्थानों के लिए प्रतियोगिता करने के पात्र समझे जाएंगे :—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, यदि वे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में कार्य कर रहे हैं और
- (ii) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, यदि वे सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तःसेवा संगठनों में नियुक्त हैं।

2. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरे जाने के लिए रिक्त स्थानों की संख्या सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल, गृह मंत्रालय द्वारा जारी की जाने वाली सूचना में निर्दिष्ट की जायगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्त स्थानों के सम्बन्ध में आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित किए जाने के अनुसार किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों का अर्थ, अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों की सूची (अधिसूचना) आदेश, 1956, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के (संशोधन) अधिनियम, 1956, संविधान में (जम्मू तथा कश्मीर) अनुसूचित जाति के आदेश, 1956, संविधान में (अंडमान तथा निकोबार

द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान में (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान में (पाडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान में (अनुसूचित आदिम जातियों) (उत्तर प्रदेश) के आदेश, 1967, संविधान में (गोदा, दमन तथा दीव) अनुसूचित जाति के आदेश, 1968 तथा संविधान में (गोदा, दमन दीव) अनुसूचित आदिम जातियों के 1968 के साथ पठित आदेश में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से कोई सी जातियाँ।

3. इन नियमों के परिणाम में निर्धारित पद्धति के अनुसार मन्त्रिवालय प्रशिक्षण स्कूल, गृह-मंत्रालय द्वारा प्रीक्षा ली जायगी, इसका निर्धारण सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल करेगा।

4. किस तारीख को और दिल्ली में किन स्थानों पर परीक्षा ली जायगी, इसका निर्धारण सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल करेगा।

5. कोई भी स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अरथायी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी परीक्षा में बैठने का पात्र होगा जिसके संबंध में निम्नलिखित शर्तें पूरी होती हों :—

I सेवा-प्रबंधि

उसने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में अथवा किसी उच्च मेड में 1 जनवरी 1969 को कम-से-कम 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की होनी चाही हो।

टिप्पणी 1 : यदि उम्मीदवार की कुल गिनती की जाने वाली सेवा आंशिक रूप में केन्द्रीय मन्त्रिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी मन्त्रालय अथवा कार्यालय में अथवा मशास्व मेना मुख्यालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी कार्यालय में आंशिक रूप में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में काम किया हो और आंशिक रूप में अन्यत्र उसके समकक्ष या उच्च मेड में काम किया हो तो अनुमोदित तथा लगातार सेवा की 5 वर्ष की सीमा भी लागू होगी।

टिप्पणी 2 : जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवग-वाह्य पदों में प्रतिनियुक्त पर है वे अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संवग-वाह्य पद पर नियुक्त किया गया है अथवा स्थानान्तरण पर अन्य सेवा में है और फिलहाल चतुर्थ श्रेणी के पद पर उसका ग्रहणाधिकार बना हुआ है वह भी अन्यथा पात्र होने पर प्रीक्षा में बैठने का पात्र है।

II. आयु :—वह 1 जनवरी, 1969 को 40 वर्ष की आयु से अधिक नहीं होना चाहिए, अर्थात् 1 जनवरी 1929 से पहले उसका जन्म न हुआ हो।

यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का है तो उपर्युक्त निर्धारित आयु-सीमा में कम-से-कम 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। ऊपर वहाँ गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु-सीमा में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

III. शैक्षिक अर्हता

(i) भारत के केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विष्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा;

- (ii) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोसं के अन्त में शालान्त (स्कूल सीरिवग), माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाणपत्र के द्वारा जाने के लिए ली गई कोई परीक्षा जिसे यह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाणपत्र के समकक्ष मानती हो।
- (iii) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज);
- (iv) राज्य सरकारों द्वारा ली जाने वाली यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा;
- (v) दिल्ली पौलिटैकनीक के तकनीकी हायर सैकन्डरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;
- (vi) किसी मान्यता प्राप्त हायर सैकन्डरी स्कूल या इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को नैयार करानेवाली किसी मान्यता प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;
- (vii) अर्गिव अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पाडिचेरी के उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;
- (viii) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा, केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए;
- (ix) बंगाल (साइंस) स्कूल सर्टिफिकेट;
- (x) नेशनल काउन्सिल आफ एजूकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद), जादवपुर, पश्चिमी बंगाल की (शुरू से लेकर) काइनल स्कूल स्टैन्डर्ड परीक्षा;
- (xi) गुजरात विद्यायीठ, अहमदाबाद की 'विनीत' परीक्षा;
- (xii) पांडिचेरी की नीचे लिखी फ्रेन्च परीक्षाएँ :—
 - (i) ब्रीवे एलिमेन्ट्रेर, (ii) ब्रीवे द एसीमा प्रीमियर द नाग एडियन, (iii) ब्रीवे द एल्यूट्रू दू यू प्रीमियर सिक्ल, (iv) ब्रीवे द एसीमा प्रीमियर सुपीरियर द लौंग इंडियेन और (v) ब्रीवे द लौंग इंडियेन (ब्रन्क्यूलर);
- (xiii) गोदा, दमन और दीव की पुर्नगाली परीक्षा 'लाइमियूम' के पांचवें वर्ष में पास;
- (xiv) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन;
- (xv) भारतीय नौसेना का हायर एजूकेशन टैस्ट;
- (xvi) एडवांसड क्लास (भारतीय ई-सेना) परीक्षा;
- (xvii) सीलोन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा;
- (xviii) पूर्वी बंगाल, उच्चतर शिक्षा बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र;
- (xix) पूर्वी पाकिस्तान स्थित कीमीला/राजगढ़ी/खुलना के उच्चतर शिक्षा बोर्ड द्वारा दिए गए उच्चतर स्कूल के प्रमाणपत्र;

- (xx) नेपाल गश्कार की स्कूल नीरिंग मर्टिफिकेट परीक्षा;
- (xxi) एंग्लो वर्नाक्यूलर स्कूल नीरिंग मर्टिफिकेट परीक्षा, (बर्मा);
- (xxii) बर्मा हाई स्कूल फाइनल परीक्षा प्रमाण-पत्र;
- (xxiii) शिक्षा विभाग, बर्मा की एंग्लो वर्नाक्यूलर हाई स्कूल परीक्षा (युद्ध-पूर्व);
- (xxiv) बर्मा का पोस्ट-वार स्कूल लीकिंग मर्टिफिकेट;
- (xxv) माधारण स्तर पर लंका की जनरल सर्टिफिकेट आफ ऐजूकेशन नामक परीक्षा यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिहली या नमिन महित छह विषयों में पास की गई हो;
- (xxvi) साधारण स्तर पर लदन के एसोमिएटेंड ऐक्जामिनेशन बोर्ड्स की जनरल सर्टिफिकेट आफ ऐजूकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी महित पांच विषयों में पास की गई हो;
- (xxvii) किमी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा नी गई जूनियर/मेकेन्टरी तकनीकी स्कूल परीक्षा।

टिप्पणी 1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा दे चुका हो जिसमें उन्नीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन-पत्र भेज सकता है। जो उम्मीदवार उक्त किमी अर्डक (क्वानीफाइंग) परीक्षा में बठना चाहते हों, वे भी आवेदन-पत्र दें मकते हैं बशर्ते कि यह अर्डक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले ममांत हो। जाग। अन्य शर्तें पूरी होने पर ऐसे उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम भानी जाएगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण यथा शीघ्र और हर हालत में इस परीक्षा के शुरू होने की तारीख से अधिक-स-अधिक दो महीने में प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द कर दी जा सकेगी।

टिप्पणी 2 : कुछ आपवादिक मामलों में, स्कूल किसी ऐसे उम्मीदवार को स्कूल अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकता है जिसके पास उक्त नियमों के अनुमार कोई उपाधि नहीं है, बशर्ते कि वह उस स्तर तक अहता प्राप्त है, जो स्कूल की गय में परीक्षा में बैठने के लिए उचित है।

6. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का न हो, या संघ शासित क्षेत्र पाइडवेरी का निवासी न हो, या संघ शासित क्षेत्र गोवा, दमन और दीव का निवासी न हो, या कैन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य-तंजानिया (भूतपूर्व टागानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन करके न आया हो, वह प्रतियोगिता में तीन से अधिक बार नहीं बढ़ सकेगा, किन्तु यह प्रतिबंध वर्तमान परीक्षा से लागू होगा।

टिप्पणी : किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बंटा हुआ तब माना जायगा जब वह बास्तव में किमी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

7. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में कूल का निर्णय अन्तिम होगा।

8. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायगा जब तक उसके पास स्कूल का प्रवेश-पत्र न हो।

9. यदि कोई उम्मीदवार स्कूल द्वारा इस बात के लिए दोषी घोषित किया जाए या किया गया हो कि उसने दूसरे व्यक्तिसे अपनी परीक्षा दिलवाई है या जाली प्रलेख अथवा ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें कि हेराफेरी की गई है या गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या कोई महत्वपूर्ण भात छिपाई है या परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी और अनियमित या अनुपयुक्त तरीके से काम लिया है अथवा परीक्षा भवन में अनुचित तरीकों का प्रयोग किया है या प्रयोग करने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में कोई दुर्बंधवाहर किया है, तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाए जाने के अतिरिक्त :—

- (क) स्कूल उसे उम्मीदवारों के चुनाव के लिए स्कूल द्वारा सी जाने वाली किसी भी परीक्षा या इन्टरव्यू में शामिल होने में रोक सकता है; और
- (ख) उपयुक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

10. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे उक्त परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

11. परीक्षा के बाद, अन्तिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता क्रम में सूची बनाएगा, और उसी क्रम से परीक्षा के परिणामों के आधार पर क्रमशः केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में भरे जाने के लिए निश्चित अनारक्षित रिक्त स्थानों की संख्या के अनुसार जिनमें उम्मीदवार परीक्षा द्वारा अर्हता प्राप्त होंगे, उनकी नियुक्ति के लिए स्कूल सिफारिश करेगा।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के जिस उम्मीदवार ने जिस सेवा के लिए प्रतियोगिता में भाग लिया है, उसके लिए स्कूल द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार अर्हता प्राप्त न की हो पर किर भी यदि स्कूल प्रशासन की कुशलता बनाए रखने की वात पर उचित ध्यान दें तो उसे नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित कर दें, तो उस सेवा में यथास्थिति, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित रिक्त स्थानों पर नियुक्ति की जाने के लिए सिफारिश कर दी जायगी।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है, अर्हक परीक्षा नहीं। परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्न श्रेणी ग्रेड के लिए प्रवर सूची में नियुक्ति की जाने वाले व्यक्तियों की संख्या का निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह से सक्षम है। इसलिए इस परीक्षा में नियुक्ति के लिए अधिकार के रूप में कोई उम्मीदवार दावा नहीं कर सकेगा।

12. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाय, इसका निर्णय स्कूल अपने विवेकानुसार करेगा और स्कूल परिणामों के सम्बन्ध में उनसे कार्य पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

13. जब तक आवश्यक जांच के बाद सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

14. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता-पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायगी जिन के बारे में नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किए जाने की सम्भावना हो।

टिप्पणी :—विकलांग भूतपूर्व रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में रक्षा सेवा के सैन्य विघटन डाक्टरी बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जायगा।

15. इस परिणाम के आधार पर की जाने वाली सभी नियुक्तियों के साथ एक शर्त यह होगी कि यदि उम्मीदवार ने संघ लोक सेवा अयोग द्वारा संचालित अंग्रेजी या हिन्दी की कोई आवधिक टंकण परीक्षा पहले ही पास न की हो तो वह नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष में संघ लोक सेवा अयोग द्वारा अथवा इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संचालित अंग्रेजी में 30 शब्द अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की न्यूनतम गति से ऐसी परीक्षा पास करेगा; ऐसा न करने पर जब तक वह परीक्षा पास नहीं कर लेता तब तक उसे वार्षिक वेतन-वृद्धि (वृद्धियां) नहीं दी जायगी।

यदि कोई उम्मीदवार परिवीक्षा की अवधि में उक्त परीक्षा पास नहीं कर लेता तो उसे अवर स्नेही लिपिक ग्रेड में नियुक्त करने से पूर्व मूल नियुक्ति पर अथवा अस्थायी पद पर लौटा दिया जायगा।

टिप्पणी :—परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त जिस उम्मीदवार ने उपर्युक्त निर्धारित आधार पर टंकण परीक्षा पहले ही पास कर सी हो अथवा जो नियुक्ति की तारीख से 6 महीने में वह परीक्षा पास कर लेता है, तो उसे पहली वेतन-वृद्धि एक वर्ष के बजाय छह महीने के बाद दी जायगी, परन्तु इसे बाद में नियमित वेतन-वृद्धियों में समाविष्ट कर लिया जायेगा।

16. यदि कोई उम्मीदवार, परीक्षा में प्रवेश-पत्र भेजने के बाद अथवा परीक्षा में बैठने के बाद अपने चतुर्थ श्रेणी पद की नियुक्ति से स्थान-पत्र दे देता है अथवा और किसी कारणवश सेवा या सेवाएं छोड़ देता है अथवा उससे सम्बन्ध विच्छेद कर लेता है अथवा उसकी सेवा विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है अथवा वह संवर्ग-बास्य पद पर अथवा अन्य सेवा में स्थानात्मक पर नियुक्त किया जाता है और चतुर्थ श्रेणी पद पर उसका पुनर्ग्रहणाधिकार नहीं रहता है, तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त होने की पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उस चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के मामले में लागू नहीं होगी जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग-बास्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

एम० के० वासुदेवन, अवर सचिव

परिशिष्ट

1. परीक्षा के विषय, समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित अनुसार होंगे :—

विषय	अधिकतम अंक स्वीकृत समय
(1) सामान्य अंग्रेजी तथा लघु निबंध	
(क) लघु निबंध	100 } 300 3 घंटे
(ख) सामान्य अंग्रेजी	200 }
(2) सामान्य ज्ञान, भारत का भूगोल सहित	100 2 घंटे

2. परीक्षा का पाठ्य विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची में वर्तलाए गए अनुसार होगा।

3. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र (1) का विषय (क) अथवा प्रश्न-पत्र (2) अथवा दोनों का उत्तर अपनी इच्छानुसार हिन्दी अथवा अंग्रेजी में लिखने की अनुमति होगी। सभी उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्र (1) के विषय (ख) का उत्तर केवल अंग्रेजी में देना चाहिए।

टिप्पणी 1 :—पूर्ण प्रश्न-पत्र के लिए प्रश्न चुनने की अनुमति होगी न कि उसी पत्र के विभिन्न प्रश्नों के लिए।

टिप्पणी 2 :—जो उम्मीदवार उक्त प्रश्न-पत्रों के उत्तर हिन्दी में लिखने के इच्छुक हों उन्हें आवेदन-पत्र के कालम 18 में स्पष्ट रूप से अपनी इच्छा बतानी चाहिए। अन्यथा यह अनुमान कर लिया जायगा कि वे अंग्रेजी में उत्तर लिखेंगे।

4. उम्मीदवार को उत्तर अपने हाथ से लिखना चाहिए। उन्हें किसी भी परिस्थिति में उत्तर लिखने के लिए किसी की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायगी।

5. सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी विषय अथवा सभी विषयों के पास होने के अंक निर्धारित करेगा।

6. अधिक सरही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. अस्पष्ट लिखावट के लिए लिखित विषयों के लिए अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत अंक काट दिए जायेंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में ऋमबद्र प्रभावी तथा यथार्थी और साथ ही साथ कम शब्दों में अभिव्यक्ति के लिए विशेष ध्यान और अंक दिए जायेंगे।

प्रधिसूची

साधारण अंग्रेजी तथा लघु निबंध

(क) लघु निबंध :—कुछ निर्दिष्ट विषयों में से एक पर निबंध लिखना।

(ख) सामान्य अंग्रेजी :—उम्मीदवारों की निम्नलिखित विषयों की परीक्षा दी जायगी,

- (1) आलेखन,
- (2) सार-सेखन,
- (3) प्रयुक्त व्याकरण, और
- (4) आरंभिक सारणीकरण (सारणी के रूप में आंकड़ों का संकलन, व्यवस्थापन और प्रस्तुती-करण के कार्य की उम्मीदवारों की योग्यता की जांच करने के लिए।

सामान्य बात, भारतीय भूगोल सहित

सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन अवलोकन और अनुभव होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का शान, जिनकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारत के भूगोल से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

नई विल्सी-1, दिनांक 13 जनवरी 1970
नियम

सं० 4/8/69-अ० भा० से० (4)—भारतीय बन सेवा (भर्ती) नियम, 1966 के नियम 7क में दिये गये उपबन्धों के अनुसरण में जो निर्मुक्त आपात कमीशन प्राप्त अफसर/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसर सशस्त्र-सेना में 1 नवम्बर 1962 के बाद नियुक्त किए गए भारतीय बन सेवा में उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के हेतु चयन के लिए, जुलाई, 1970 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सी जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम, आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं। उपर्युक्त नियम के उपबन्ध 28 जनवरी 1971 तक प्रभावी रहेंगे, बास्तें कि सरकार द्वारा अवधि बढ़ाई न जाय।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा प्रकाशित नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि से किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अधिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956 के साथ पठित अनुसूचित जाति/आदिम जाति सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956, संविधान (जन्म और कर्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968, और संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट II में निर्धारित विधि से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. जो आपात कमीशन-प्राप्त अफसर/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसर 1 नवम्बर 1962, के बाद सशस्त्र-सेना में नियुक्त हुए थे और जो 1969 की अवधि में अथवा 1970 की अवधि में इस अधिनियम की तारीख से पहले निर्मुक्त हो चुके हैं अथवा 1970 की अवधि के अंत तक जो निर्मुक्त होने वाले हैं वे सब इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

परन्तु जो उम्मीदवार 1968 की परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त होने की निर्धारित अंतिम तारीख के बाद, 1968 में सैनिक सेवा द्वारा होने वाली विकलांगता के कारण अशक्त हो गया हो, वह भी परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

नोट :—इस परन्तुक में निहित उपबन्ध उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होंगे जो (आपात कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामलों में) रक्षा मंत्रालय में भारत सरकार द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सन् 1968 में निर्मुक्त होने वाले थे या जो (अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामलों में) 5 साल के सामान्य सेवाकाल भी समाप्ति पर सन् 1968 में निर्मुक्त होने वाले थे।

नोट 1 :—इन नियमों के प्रयोजनों के हेतु “निर्मुक्त” का अर्थ है—

प्रशिक्षण की अवधि में या अंत में न होकर, या वास्तविक सेवा में लिए जाने से पहले इस प्रकार की प्रशिक्षण की अवधि को पूरा करने के लिए प्रदान किए गए अल्पकालीन सेवा कमीशन के दौरान या अंत में न होकर, कुछ सेवा की अवधि के बाद सशस्त्र सेना से—

(i) निर्मुक्त होने के वर्ष के अनुसार निर्मुक्त,

(ii) सैनिक सेवा द्वारा विकलांगता के कारण अशक्तता किन्तु इसमें ऐसे अफसरों के मामले शामिल नहीं हैं, जो कदाचार, या अदक्षता या अपने निजी अनुरोध के कारण निर्मुक्त किए गए।

नोट 2 :—“निर्मुक्त होने का वर्ष” अधिव्यक्ति का अर्थ है :—

(i) जहां तक आपात कमीशन प्राप्त अधिकारियों से इसका संबंध है, उनके लिए वह वर्ष जिसमें रक्षा मंत्रालय में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें निर्मुक्त होना है; और

(ii) जहां तक अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों का संबंध है, उनके लिए वह वर्ष माना जायेगा जिसमें अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में उनके 5 साल के सामान्य सेवाकाल की समाप्ति होनी है।

नोट 3 :—यदि किसी व्यक्ति को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद सशस्त्र-सेना में स्थायी कमीशन मिल जाता है, अथवा वह सशस्त्र-सेना से इस्तीफा दे देता है या वह उससे कदाचार या अदक्षता या अपने निजी अनुरोध के कारण निर्मुक्त कर दिया जाता है तो व्यक्ति की पात्रता रद्द हो सकती।

नोट 4 :—जो इंजीनियर तथा डाक्टर केन्द्रीय सरकार में या राज्य-सरकारों में या सरकार के स्वामित्व में चलने वाले औद्योगिक उद्यमों में कार्य करते हैं और जिनको अनिवार्य दायिता योजना के अंतर्गत सशस्त्र सेना में कम-से-कम निर्धारित अवधि के लिए सेवा करनी पड़ती है और जिनको संगत नियमों के अंतर्गत इस प्रकार

की सेवा की अवधि अल्पकालीन सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

नोट 5 :—जो अफमर सशस्त्र-सेना के स्वयं सेवक आरक्षी सेवा (वार्लंटियर रिजर्व फोर्सेज) से संबद्ध होंगे और जो अस्थायी सेवा के लिए नियुक्त किए गए होंगे, वे इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

5. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) सिक्खिम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या
- (ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (च) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, लंका और पूर्वी अफीका के कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ), (ङ) और (च) कोटियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

लेकिन नीचे लिखे उम्मीदवारों को पात्रता-प्रमाण-पत्र लेना आवश्यक नहीं होगा :—

- (i) जो व्यक्ति 19 जुलाई 1948 से पहले, पाकिस्तान से भारत में आ गए हों और तब से आम तौर से भारत में ही रह रहे हों।
- (ii) जो व्यक्ति 19 जुलाई 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में आ गए हों और जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन स्वयं को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत करा लिया हो।
- (iii) ऊपर की (च) कोटि के जो गैर-नागरिक, संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आए और तब से लगातार नीकरी कर रहे हैं और जिनके सेवा काल का क्रम नहीं दूटा हो। लेकिन यदि किसी व्यक्ति के सेवा काल का क्रम दूट गया हो और उसे 26 जनवरी 1950 के बाद उक्त सेवा में दुबारा नियुक्त किया गया हो तो उसे भी औरों की तरह पात्रता-प्रमाण-पत्र देना होगा।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने की शर्त के साथ, अनन्तम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

६. (फ) उम्मीदवार के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आयु 24 वर्ष से अधिक उस वर्ष की 1 जुलाई को न हो जिसमें वह

मण्डस्व-सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो, या (जहाँ केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण हो) उसने कमीशन प्राप्त किया हो।

6. (ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु में निम्नलिखित स्थितियों में और छठ दी जा सकती है :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक-से-अधिक पांच वर्ष,
- (2) यदि उम्मीदवार पूर्वी-पाकिस्तान से 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद भारत में आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद पूर्वी-पाकिस्तान से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष,
- (4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो तथा उसने कभी फ्रेंच भाषा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,
- (5) यदि उम्मीदवार अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ मूलरूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,
- (6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन, 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत में आया हुआ मूलरूप से भारतीय व्यक्ति भी हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष,
- (7) यदि उम्मीदवार गोआ, दमन और दियू के संघ राज्य-क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,
- (8) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,
- (9) यदि उम्मीदवार 1 जून 1963 या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,
- (10) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून 1963 को या उसके बाद, बर्मा, से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष,
- (11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विवेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष

- में अथवा अशांतिग्रस्त थेव में फौजी कारंवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए, तथा
- (12) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त थेव में फौजी कारंवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं।
- (13) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण था) और पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो उसके लिए अधिकतम तीन वर्ष तक,
- (14) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण था) और अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो, तो उसके लिए अधिकतम आठ वर्ष तक,
- (15) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963, 1964 या उसने 1965 में कमीशन प्राप्त किया हो, और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का निवासी हो तो उसके लिए अधिकतम चार वर्ष तक, और
- (16) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा उसने 1963, 1964 या 1965 में कमीशन प्राप्त किया हो और वह भारतीय नागरिक है और लंका से प्रत्यावर्तित हो तो उसके लिए अधिकतम तीन वर्ष तक।

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में सूट नहीं दी जाएगी।

7. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

8. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

9. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

10. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

11. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

12. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

13. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

14. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

15. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

16. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में सेवा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हता परीक्षा (क्षात्रीयाइंग एग्जामीनेशन) में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है बशर्ते कि वह अर्हता परीक्षा इस परीक्षा के आरंभ होने से पहले समाप्त हो जाए। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्य पाँच पूरी करता हो, तो इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की ऐसी अनुमति अनन्ति भारी जाएगी और यदि वह अर्हता परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी-से-जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारंभ होने की तारीख से अधिक-से-अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करता, तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट 2 :—विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हैं जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

नोट 3 :—यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट I में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग, यदि उपर्युक्त समझे तो, उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

9. सशस्त्र सेना में सेवा करने वाले उम्मीदवार को इस परीक्षा के लिए अपना आवेदन-पत्र अपनी यूनिट के कमान अधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इसे संघ लोक सेवा आयोग को भेजेगा। यदि उम्मीदवार स्वयं ही अपनी यूनिट का कमान अधिकारी है तो उसे आवेदन-पत्र अपने अगले उच्च अधिकारी को प्रस्तुत करना चाहिए।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा, जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

12. यदि कोई उम्मीदवार किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए पैरवाना करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिए अधोग्रह घोषित कर दिया जाएगा।

13. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग ने किसी दूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने अथवा जाली या फेर-बदल किए हुए प्रमाण-पत्र पेश करने अथवा गलत या झूठा तथ्य प्रस्तुत करने अथवा किसी तथ्य को छिपाने या परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित उपाय अपनाने, परीक्षा भवन में कोई अनुचित उपाय अपनाने या अपनाने की चेष्टा करने अथवा परीक्षा भवन में किसी तरह का अनुचित आचरण करने के फलस्वरूप अपराधी

घोषित किया है तो उसके विस्तु दार्ढिक अधियोजन के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्रवाई की जा सकती है :—

(क) सदा के लिए अथवा किसी विशेष अवधि के लिए परीक्षा वारित किया जाना :

(i) आयोग द्वारा उम्मीदवारों के लिए आयोजित किसी परीक्षा में सम्मिलित होने अथवा किस साक्षात्कार में उपस्थित होने से ।

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार के अन्तर्गत नौकरियों के लिए ।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार की सेवा में हो तो उचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है ।

14. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक (Qualifying Marks) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने नियम से निश्चित करे, तो उसे आयोग मौखिक परीक्षा (Viva Voce) के लिए बुलाएगा ।

15. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणामस्वरूप मौखिक परीक्षा के लिए सफलता प्राप्त करता है तो गृह मंत्रालय उससे अलग से कहेगा कि वह अपनी तरजीह का क्रम गृह मंत्रालय को सूचित करे, जिसके अनुसार विभिन्न राज्य संघर्गों में आवेदन के लिए उनके नाम पर विचार किया जाए ।

16. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों के आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा, उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए सिफारिश की जाएगी । यह भर्ती आरक्षित रूप में न होकर इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगी ।

लेकिन शर्त यह है कि आयोग अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के किसी ऐसे उम्मीदवार को, जो किसी सेवा के लिए आयोग द्वारा निर्धारित स्तर के अनुसार योग्य सिद्ध न हो प्रशासन की कुशलता को व्यान में रखते हुए उस सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित कर दें तो उसकी उस सेवा में यथास्थिति अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए आयोग सिफारिश करेगा ।

17. यदि परीक्षा के परिणाम पर, योग्य उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या निर्मुक्त आपात कमीशन प्राप्त अफसरों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसरों द्वारा भरे जाने वाले आरक्षित रिक्त स्थानों के लिए प्राप्त नहीं हैं तो बिना भरे हुए रिक्त स्थानों को सरकार द्वारा इस विषय में निर्धारित ठंग से भरा जाएगा ।

18. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका नियम आयोग स्वयं करेगा । आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा ।

19. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इसमें नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है ।

20. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके । यदि सरकार या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हो कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी । आयोग द्वारा मौखिक परीक्षा के लिए बुलाए गए उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा कार्रवाई जा सकती है ।

नोट :—बाद में निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी विकिसा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले । नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके लिए स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके ब्यौरे इन नियमों के परिशिष्ट 4 में दिए गए हैं ।

रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग संनिकों को सेवा(ओं) की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी ।

21. जिस पुरुष उम्मीदवार की एक से अधिक जीवित पत्नियां हों या जो एक पत्नी के जीवित रहने पर भी किसी ऐसी स्थिति में विवाह कर ले कि वह विवाह उक्त पत्नी के जीवित रहने की अवधि में किए जाने के कारण अवैध (वायड) हो जाए तो उसे उन सेवाओं में नियुक्ति का जिनके लिए इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर, नियुक्तियां की जाती हैं, तब तक पाल नहीं माना जाएगा जब तक कि भारत सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसा करने के विशेष कारण है और पुरुष उम्मीदवार को इस नियम से छूट न दी जाए ।

22. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है ।

23. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट III में दिया गया है ।

एम० आर० भारद्वाज, अवर सचिव

परिशिष्ट I

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची
(नियम 8 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधानमंडल के अधिनियम से निगमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संसद के अधिनियम से स्थापित किया गया हो और अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत विश्वविद्यालय मान लिए जाने की घोषणा हो चुकी है ।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय ।

मार्डले विश्वविद्यालय ।

इंगलैंड और बेल्स के विश्वविद्यालय

ब्रिटिश, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन, मैचेस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिंग, शेफ़फ़िल्ड और बेल्स के विश्वविद्यालय ।

स्काउटलैंड के विश्वविद्यालय

एवररडीन, एडिनबर्ग, ग्लास्टो और सेंट एन्ड्र्यूज विश्वविद्यालय ।

आयरलैंड के विश्वविद्यालय

डब्लिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कॉलेज) ।

नेशनल यूनिवर्सिटी, डब्लिन ।

क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट ।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय ।

ढाका विश्वविद्यालय ।

सिघ विश्वविद्यालय ।

राजशाही विश्वविद्यालय ।

नेपाल का विश्वविद्यालय

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाडौँ ।

परिशिष्ट I—क

परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए अनुमोदित योग्यताओं की सूची (नियम 8 के अनुसार)

1. फ्रासीसी परीक्षा (Ropendentique)

2. उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कौसिल आफ रूरल हायर एज्यूकेशन) से ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा ।

3. विश्वभारतीय विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा ।

4. अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का “उच्च पाठ्यक्रम” यदि “पूर्वाधात” (फूल स्टूडेन्ट) के रूप में यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो ।

5. भारतीय वैज्ञानिक संस्थान, बंगलौर की सहवृत्ति या शिक्षावृत्ति ।

6. वरिष्ठ सेवाओं और केन्द्रीय सरकार के अधीन पदों पर भर्ती के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषष् (आल इंडिया कौसिल फार टैक्निकल एज्यूकेशन) से इंजीनियरी या तकनीकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा ।

7. इंजीनियरों की संस्था (भारत) (इंस्टीट्यूट आफ इंजी-नियर्स) (इंडिया) की सह-सदस्यता के क और ख भाग ।

8. लाबोरो कॉलेज, लेसेस्टर शायर का इंजीनियरी का आनंद डिप्लोमा, बशर्ते कि उम्मीदवार ने प्राथमिक परीक्षा पास कर ली हो या उससे उसे छूट दे दी गई हो ।

नोट :— 1 से 8 तक की योग्यताएं तब तक स्वीकृत नहीं होंगी,

जब तक उम्मीदवार इन विषयों में से कम-से-कम

किसी एक में पास नहीं हो :—वनस्पति विज्ञान रसायन भू-विज्ञान, गणित, भौतिकी तथा प्राणि-विज्ञान ।

परिशिष्ट II

लिखित परीक्षा की क्षपरेजा

1. प्रतियोगिता परीक्षा के विषय:—

(क) नीचे वैरा 2 में बताए अनुसार 300 पूर्णांक के दो विषयों की लिखित परीक्षा ।

(ख) ऐसे उम्मीदवारों की मौखिक परीक्षा जिन्हें आयोग बारा बुलाया जाएगा, इस मौखिक परीक्षा के पूर्णांक 300 होंगे जिनमें से 50 अंक सशस्त्र सेवा में सेवा के रेकार्ड के मूल्यांकन के लिए निर्धारित होंगे ।

2. लिखित परीक्षा के विषय, दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित पूर्णांक इस प्रकार होंगे:—

विषय	दिया जाने वाला पूर्णांक	समय
------	-------------------------	-----

(i) सामान्य अंग्रेजी	3 घन्टे	150
----------------------	---------	-----

(ii) सामान्य ज्ञान	3 घन्टे	150
--------------------	---------	-----

3. परीक्षा का पाठ्य विवरण संलग्न अनुसूची के अनुसार होगा और लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र वे ही होंगे जो इसके साथ-साथ होने वाली नियमित भारतीय वन सेवा परीक्षा की योजना में दिए गए संगत विषयों के लिए होंगे ।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे ।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा । उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

6. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अंक (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है ।

7. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट दिए जाएंगे ।

8. अनावश्यक ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे ।

9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम-से-कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग और ठीक-ठीक की गई है ।

अनुसूची

(परिशिष्ट II के वैरा 3 के अनुसार)

प्रश्न-पत्रों का स्तर ऐसा होगा जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है ।

(1) सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा । अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे जिनसे उसके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर प्रयोग की जांच हो सके । सामान्यतः संक्षेप-लेखन या सार-लेखन के सिए अवतरण दिए जाएंगे ।

(2) सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा प्रतिदिन के प्रेक्षण और अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पद्धति में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

भाग छ

मौखिक परीक्षा :—एक बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मौखिक परीक्षा ली जाएगी, बोर्ड के सामने प्रत्येक उम्मीदवार के कैरियर का वृत्त होगा, जिसमें सशस्त्र सेनाओं में उसकी सेवा का वृत्त भी शामिल होगा। उम्मीदवार से सामान्य रुचि के विषयों और उसके शैक्षिक के विषयों, तथा सशस्त्र सेनाओं के उसके अनुभवों के संबंध में प्रश्न पूछे जाएंगे। सक्षम और निष्पक्ष पर्यंतेकों के बोर्ड द्वारा सेवा के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना मौखिक परीक्षा का उद्देश्य है।

2. मौखिक परीक्षा में पूरी तरह से प्रति परीक्षा (Cross Examination) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती, बल्कि उम्मीदवार के ऐसे मानसिक गुणों का उद्घाटन करने के उद्देश्य से किए जाने वाले स्वाभाविक किन्तु साथ ही निर्दिष्ट और सोइदेश्य वातालाप की प्रणाली अपनाई जाती है, बीदिक उत्सुकता, आलोचनात्मक प्रेक्षण तथा ग्रहण-शक्ति, मंतुलित निर्णय की शक्ति, और मानसिक मतकर्ता, पहल, उपाय और नेतृत्व की क्षमता, मामाजिक मंगठन की योग्यता, मानसिक और शारीरिक शक्ति और व्यावहारिक ज्ञान की शक्ति, चारित्रिक निष्ठा, और अन्य गुण जैसे भौगोलिक ज्ञान, बाह्य प्राकृतिक जीवन के प्रति प्रेम और अज्ञान तथा अगम्य स्थानों को खोजने की इच्छा।

परिशिष्ट III

(नियम 23 के अनुसार)

परिशिष्ट में संक्षेप में सेवा की शर्तों का वर्णन किया गया है जो नियमित भारतीय वन सेवा परीक्षा द्वारा भर्ती किए गए उम्मीदवारों पर लागू है। जो उम्मीदवार इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे उनकी वरिष्ठता और वेतन सरकार द्वारा दूसरे संबंध में जारी किए गए विशेष आदेशों के अनुसार विनियमित होंगे।

(क) नियुक्तियां परख पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष भी होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परख की अवधि में, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण मनोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो सरकार उसे

या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी, ऊपर खण्ड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(इ) भारतीय वन सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(ज) वेतन-मान

जूनियर वेतन-मान—रु० 400-400-450-30-600
35-670-द० रो०-35-950।

सीनियर वेतन-मान रु० 700 (छठे वर्ष या उससे पहले)
—40-1100-50/2-1250।

वनपाल—रु० 1300-60-1600-100-1800।

मुख्य वनपाल—रु० 2000-125-2250।

वन महानिरीक्षक—रु० 3000 (नियत)।

महंगाई भत्ता—समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा। परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर समय में प्रारंभ होगी और उन्हें परख पर विताई गई अवधि को समय-मान में वेतन-बढ़ि छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(ज) भविष्य निधि—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अधिक भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शामिल होते हैं।

(ज) छुट्टी—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अधिक भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(झ) डाक्टरी परिचर्या—भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को अधिक भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के अन्तर्गत अनुमत्य डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है।

(अ) सेवा निष्पत्ति लाभ—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अधिक भारतीय सेवा (मृत्यु-व सेवा-निष्पत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

परिशिष्ट IV

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम (नियम 20 के अनुसार)

(ये विनियम उम्मीदवारों की मुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुसार लगा सकें कि वे अभीष्ट शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य-परीक्षक (Medical Examiners) के लिए भी सामान्य निर्देश हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरी नहीं करता उसे स्वास्थ्य परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकते। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति

होगी कि वह, लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार से यह सिफारिश कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सरकारी सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी। किन्तु यह बात भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा। पूर्व-रक्षा सेवा विवलांग कार्मिकों के लिए स्तर में सेवा की आवश्यकता के अनुसार छूट दी जाएगी।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराएं जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. चलने की जांच—उम्मीदवारों को 4 घन्टे में पूर्ण होने वाली 25 किलोमीटर चलने की जांच में सफलता प्राप्त करनी होगी। अन-महानिरीक्षक, भारत सरकार द्वारा यह जांच करने की व्यवस्था इस प्रकार से की जाएगी कि वह स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड की बैठकों के साथ-साथ ही हो।

3. (क) भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग-दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंखें सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिए, उम्मीदवारों को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अध्ययन करेगा।

(ख) कद और छाती के घेर का कम-से-कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

कद	छाती का घेर (पूरा फैला कर)	फैलाव (पूरा फैला कर)
सें ० मी०	सें ० मी०	सें ० मी०
163	84	5 (पुरुषों के लिए)
150	79	5 (महिलाओं के लिए)

गोरखा, गढ़वाली, असमिया नागालैंड की आदिम जातियों आदि के उम्मीदवारों के लिए, जिनका औसत कद विशेष रूप से कम होता है, कम-से-कम निर्धारित कद में छूट दी जाती है।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा:-

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप-दंड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाय एडियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिडलियां, नितंब और कन्धे माप-दंड के साथ लगे होंगे। उसकी टोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेस आफ दि हैड लेवल) हार्सिंटल बार (आड़ी छड़ा) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में नापा जाएगा।

5. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:— उसे इस भाँति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर-एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हार्सिंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें पश्चीम के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं जिससे कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक-से-अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम-से-कम और अधिक-से-अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89 86-93. 5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न फैलाव को नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फैलाव को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा:—

(i) सामान्य (जनरल) — किसी रोग या विलक्षणता (एबनामेलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को ऐसा भेंगापन या आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कटिगुआस स्ट्रक्चर्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके अयोग्य होने संभावना हो तो उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विवटी) — दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो जांचें की जाएंगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग से परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारों द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा:—

दूर की नजर	नजदीक की नजर
अच्छी आंख (ठीक की हुई नजर)	अच्छी आंख (ठीक की हुई नजर)
6/6	6/12
या	ज्ञ० I
6/9	6/9
	ज्ञ० II

नोट :—

(1) फंडस परीक्षा—जब कभी संभव होगी मेडिकल बोर्ड की इच्छा पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किए जाएंगे।

(2) क्लर विजन—(i) रंगों के संबंध में नज़र की जांच जरूरी है।

(ii) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो लैटर्न के द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान	रंग के प्रत्यक्ष का उच्चतर ग्रेड	ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. सेम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4. 9 मीटर	4. 9 मीटर	
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1. 3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर	
3. दिखाने का समय	5 सैकंड	5 सैकंड	

(iii) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हितकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक क्लर विजन है। इश्किहारा की ज्वेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एक्रिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त टैटर्न और अच्छे रोशनी में दिखाया जाता है, क्लर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वासनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यात्रायात से संबंधित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो वोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

(3) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि (कलकटेशन मैथड) द्वारा पुष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसा जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिमापी (पैरीमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(4) रतोंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़ कर रतोंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है, रतोंधी या अन्धेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई नियत स्टेंडर्ड टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्धेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि की पकड़ रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के अपने कथनों पर कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

(5) दृष्टि की पकड़ से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडिशन्स)—(क) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई बस्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रेकोमा)—यदि रोहे जटिल न हों तो वे आमतौर से अयोग्यता का कारण नहीं होंगे।

(ग) भेंगापन (स्किट) द्विनेत्री (बाइनाकुलर) दृष्टि का होना लाजिमी है। नियम स्टेंडर्ड की दृष्टि की पकड़ होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(घ) एक आंख वाले व्यक्ति—नियुक्ति के लिए एक आंख वाले व्यक्तियों की सिफारिश नहीं की जाती।

8. रक्त-दाढ़ (ब्लड-प्रेशर) —

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टालिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाए। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिये—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टालिक प्रेशर को और 90 से ऊपर के आस्टालिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगता चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यक (आर्गेनिक बीमारी) है ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हल्लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियो ग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (लोयरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त-दाढ़) लेने का तरीका—

नियमत: पारेवाले दाढ़बामी (मर्करी मेनोमीटर) किसी का आला (इंस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किसी के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाढ़ नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ-कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पास्ट पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाता है। भुजा पर से कन्धे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कपड़े में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच की रबड़ को भुजा के अन्वर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर आकर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगंड धमनी (ब्रेंकिल आर्टरी) को दबादबा कर ढूँढ़ा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कप के साथ न लगे। कप में लगभग 200 हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर

पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियाँ तेज मुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुईं-सी लुप्त प्राय हो जाएं, वह डाय-सिस्टालिक प्रेशर है। ब्लड-प्रेशर काफी थोड़ी अधिक में ही के लेना चाहिए, यद्योंकि कमल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकार होना है और इससे रीडिंग गलत हो जाता है। यदि दबावार पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस “साइलेंट गैप” से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड की किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्ति का पता चले तो बोर्ड इसके दूसरे सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायाबीटीज) के घोटक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूलिर्झा) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टेंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस गति के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हैं। मेडिकल विशेषज्ञ स्टेंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट में जी भी छिलनिकल या सेबारेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की “फिट” या “अनफिट” की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने अव्यं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औपचार्य के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो भक्ता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई औरन उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए। जब तक कि उसका प्रसूति न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा कर्त्ता में आरोग्य का स्वास्थ्यता-प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए, उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अनिश्चित बातों का प्रेक्षण करना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि मूनने की खराबी का डलाज शल्य-क्रिया (आपरेशन) या फ्रियरिंग एंड के दूसरों में हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बश्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो।

- (ख) उम्मीदवार बोलने में हक्कलाता/हक्कलाती नहीं हो।
 (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह कबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
 (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिख और फैकड़े ठीक हैं या नहीं।
 (इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
 (च) उसे रफ्चर (हार्निया या फटन) है या नहीं।
 (छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई वेरिकोसील, वेरिकोज शिरा (बेन) या बवासीर है या नहीं?
 (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी संधियाँ भली भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
 (झ) उसे कोई चिरस्याई त्वचा को बीमारी है या नहीं।
 (ञ) कोई जम्मात कुरचना या दोष है या नहीं।
 (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमज़ोर गटन का पता लगे।
 (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
 (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेशन) रोग है या नहीं।
12. दिल और फेकड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जास्त न हो, सभी मामलों में नेमो रूप से छाती को एक-प्रति-प्रति रोक्षा को जानी चाहिए।
- जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल विशेषज्ञ स्टेंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट में जी भी छिलनिकल या सेबारेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा करेगा और मधुमेह के अन्तिम रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित कर सकता है।
- नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त में श्राओं के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टेंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने का कोई हनुमान नहीं है। किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय को गलती की सम्भावना के सम्बन्ध में, प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने अपील को इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए। वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रायता पर विचार नहीं किया जाएगा।
- यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय को गलती की सम्भावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाणपत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि इस में संबंधित मेडिकल प्रैक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बावहो दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका है।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

किसी भी वयस्क को अधिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टमेंट अधारिटी) को, यह तसली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए योग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षक का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारबर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल, मृत्यु होने पर समय-पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यहां प्रश्न के बल निरन्तर कारबर सेवा की सम्भावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारबर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी नेहीं डॉक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार किया जाता है तो भी तो पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्योरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को योग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आण्य का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर

यदि पिता जोकित हो, तो उसकी यदि पिता की मृत्यु हो आयु और स्वास्थ्य की अवस्था चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण

हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के निए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर से अयोग्य करार दिया जाए तो दुबार परीक्षा की अवधि साधारणतया कम-से-कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबार परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे को अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अधिवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और व्यष्टिगति :—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके माथ लगी हुई घोषणा (डिक्टेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं—

2(क) — क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैंड आदिम जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं? “हाँ” या “नहीं” में उत्तर दीजिए, और यदि उत्तर “हाँ” में है तो उस जाति का नाम बताइए।

3 (क) — क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फैफड़े की बीमारी, मूर्छा के दोरे, रुमेटिज्स, एंडेलिसाइटिस द्वारा है?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शाय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक आदि का अन्तिम टीका कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है?

6. आपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्यौरा दें।

आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की

आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण।

यदि माता जोवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था हो तो मृत्यु के समय उसकी आयु और मृत्यु का कारण

आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था है, मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर “हाँ” हो तो बताइए किस सेवा/सेवाओं के लिए परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किए।

बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर—

नोट:-—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जान-बूझ कर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्षिक निवृत्त भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपदान (प्रेचुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ब) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास: अच्छा—चौच का कम पोषण: पतला—औसत मोटा—कद (जूते उतार कर) अत्युत्तम वजन—कब था ? वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन तापमान—

छाती का ज्वर—
(1) पूरा सांस खींचने पर—
(2) पूरा सांस निकालने पर—
2. त्वचा—कोई जाहिरी बीमारी—
3. नेत्र
(1) कोई बीमारी—
(2) रत्नोंधी—
(3) कलर विजन का दोष—
(4) दृष्टि क्षेत्र (फोल्ड आफ विजन)—
(5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विटी)—

दृष्टि की पकड़ चश्मे के बिना चश्मे से चश्मे की पावर गोल मिलिं अक्ष

बूर की नजर	दा० ने०	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं,
	बा० ने०	उनकी आयु और स्वास्थ्य की
पास की नजर	दा० ने०	मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के
	बा० ने०	समय उनकी आयु और
हाइपरमेट्रोपिया	दा० ने०	मृत्यु का कारण
(अधिकत)	बा० ने०	

4. कान: निरीक्षण सुनना:
दायां कान—बायां कान—

5. ग्रंथियां पाश्चराइड—

6. दांतों की हालत—

7. श्वसन तन्त्र (रेस्पिरेटरि सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा व्योरा है ?

8. परिसंचरण तन्त्र (सक्युलेटरी सिस्टम)

(क) छूटय : कोई आंगिक क्षति (आर्गेंटिक लीजन) ?—
गति (रेट):

खड़े होने पर :

25 बार कुदाए जाने के बाद—

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद—

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टालिक—

डायस्टालिक—

9. उदर (पेट) : घेर—दाढ़ वेदना
(टेंडरनेस)

हार्निया—

(क) दबा कर मालूम पड़ना, जिगर—तिल्ली—
गुदे—द्रयमर—

(ख) बवासीर के मस्से—फिस्चुला—

10. तांत्रिक तन्त्र (नर्वस सिस्टम) तन्त्रका या भानसिक अशक्तता का संकेत—

11. बाल तन्त्र (लोकोमोटिव सिस्टम)
कोई विलक्षणता—

12. जनन-मूत्र तन्त्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम)। हाइड्रोसील, वैरिकोसिल आदि का कोई संकेत।

मूत्र परीक्षा—

(क) कैसा दिखाई पड़ता है
(ख) स्पेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)

(ग) एल्ब्यूमेन

(अ) शक्कर

(ब) कास्ट

(च) केशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह भारतीय वन सेवा की इच्छी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है?

15. क्या वह भारतीय वन सेवा में दक्षतापूर्वक और निरन्तर इच्छी निभाने के लिए सभी तरह से योग्य पाया गया है?

मोद:—बोर्ड को अपना जांच-परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) योग्य (फिट)

(ii) अयोग्य (अनफिट), जिसका कारण—

(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण—

स्थान— अध्यक्ष (चेयरमैन)—

तारीख— सदस्य—

संवय—

लहौ दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1970

निपत्र

संख्या 8/62/69-सी० एस० (2)—सेवामुक्त आपात कमीशन प्राप्त अधिकारी तथा अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी (रिक्तियों का आरक्षण) नियम, 1967, के नियम 5 तथा भूतपूर्व सैनिक (केन्द्रीय सिविल सेवाओं तथा श्रेणी III और श्रेणी IV पदों में रिक्तियों का आरक्षण) नियम, 1969 के नियम 4 में समाविष्ट उप-बन्धों के अनुसार (1) सेवामुक्त आपात कमीशन प्राप्त/अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के लिये जिन्हें सशस्त्र सेना में 1 नवम्बर 1962 के बाद कमीशन प्रदान किया गया था; तथा (2) भूतपूर्व-सैनिकों के बास्ते, क्रमशः वर्ग 1 और 2 के अन्तर्गत आने वाली उनके लिए आरक्षित निम्नलिखित सेवाओं/पदों में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिये जब तक करने हेतु संघ भोक सेवा आयोग द्वारा जून, 1970 में तो जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किये जाते हैं। (उपरोक्त सेवामुक्त आपात कमीशन प्राप्त अधिकारी तथा अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी (रिक्तियों का आरक्षण) नियम, 1967 और भूतपूर्व सैनिक (केन्द्रीय सिविल सेवाओं तथा श्रेणी III और श्रेणी IV पदों में रिक्तियों का आरक्षण) नियम, 1969, यदि सरकार इनकी अवधियाँ नहीं बढ़ाई गईं तो क्रमशः 29 जनवरी, 1971 और 1 जुलाई, 1971 को तथा इन तारीखों से लागू नहीं होंगे):—

बंग—1**बंगी II सेवाएँ/पद**

(i) भारतीय विदेश सेवा (ब)-(आशुलिपिकों के उपकार की ग्रेड II);

(ii) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड II (श्रेणी की प्रवरण सूची में शामिल करने के लिए);

(iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिकों मेवा ग्रेड II; और

(iv) बुनाव आयोग, दिल्ली के कार्यालय में आशुलिपिक के पद;

(v) केन्द्रीय सतकंता आयोग, दिल्ली के कार्यालय में आशुलिपिक के पद;

(vi) संसदीय कार्य विभाग, दिल्ली में आशुलिपिकों के पद;

(vii) पर्यटन विभाग, दिल्ली में आशुलिपिकों के पद; तथा

(viii) भारत सरकार के अन्य ऐसे विभागों और कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद जो केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (ब)/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में शामिल नहीं हैं।

बंग—2**बंगी III सेवाएँ/पद**

(i) रेसवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड II;

(ii) अध्यनक स्थित अनुसन्धान रूपरेखा तथा मानक संगठन के महानिदेशालय में आशुलिपिक के पद;

(iii) कलकत्ता स्थित आयुष्ट-निर्माण के महानिदेशालय में आशुलिपिक के पद; तथा

(iv) भारत सरकार के ऐसे अन्य विभागों और कार्यालयों के आशुलिपिकों के पद जो रेसवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में शामिल नहीं हैं।

नियम 2 के उपवन्धों के अधीन उम्मीदवार ऊपर उल्लिखित सेवाओं/पदों में से किसी भी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिये परीक्षा में बैठने के लिये आवेदन कर सकता है। वह जिनती सेवाओं/पदों के सिये विचार किया जाना चाहे उन सेवाओं/पदों में उनके स्थान का ध्यान रखते हुए नियुक्तियों करते समय उनकी प्रार्थनिकालों पर ध्योनित विचार किया जा सके।

टिप्पणी I:—उम्मीदवारों को चाहिए, कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाना चाहते हैं उनका प्रार्थनिकालों-क्रम अपने आवेदन-पत्रों में स्पष्ट लिखें। उम्मीदवारों/पदों के लिए नियमों-क्रम में उनके लिए विनियोगिता करना चाहते हैं, उन सेवाओं/पदों के लिये विचार किया जाना चाहे उनके स्थान का ध्यान रखते हुए नियुक्तियों करते समय उनकी प्रार्थनिकालों पर ध्योनित विचार किया जा सके।

टिप्पणी II:—उम्मीदवार द्वारा प्रारम्भ में अपने आवेदन पत्र में निर्दिष्ट सेवाओं/पदों के प्रार्थनिकालों-क्रम में परिवर्तन करने की किसी भी ऐसी प्रार्थना पर विचार नहीं किया जायेगा जो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1970 को या उससे पहले न मिल जाय।

(क) आपात कमीशन प्राप्त/अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी केवल वर्ग 1 में सम्मिलित आशुलिपिकों की श्रेणी II सेवाओं/पदों में उनके लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए ही परीक्षा दे सकेंगे।

(ब) भूतपूर्व-सैनिक केवल वर्ग II में सम्मिलित आशुलिपिकों की श्रेणी III सेवाओं/पदों में आरक्षित रिक्तियों के लिए ही परीक्षा दे सकेंगे।

3. परीक्षा के परिणामों के अनुसार पर भरी जाने वाली विकल्पों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में बता दी जाएगी।

भारत सरकार के निष्क्रिय के अनुसार निर्धारित अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये वह आरप्ति रखे जायेंगे।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों का अर्थ है अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956, संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अन्दमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1958, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडीचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968 तथा संविधान (गोवा दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जातियां, आदेश, 1968 के साथ पठित अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1958 में उल्लिखित कोई भी जाति या आदिम जाति।

4. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट 1 में विविहत विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीखें और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

5. इन नियमों के उपबन्धों के अधीन, सभी आपात कमीशन प्राप्त अधिकारी। अप्य सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी इस परीक्षा में बैठ सकेंगे, जिन्हें सशस्त्र सेना में 1 नवम्बर, 1962 के पश्चात् कमीशन प्रदान किया गया था तथा जिन्हें इस अधिसूचना की तारीख से पहले सेवामुक्त किया गया है अथवा उसके बाद 1970 के अन्त तक सेवा मुक्त किया जाना है।

टिप्पणी 1:—इस नियमों के प्रयोजन के लिये सेवामुक्ति का अर्थ है:—

- (i) सेवामुक्ति के नियत वर्ष के अनुसार सेवामुक्ति,
- (ii) सेव्य सेवा में हुई अशक्तता या उसके परिणाम स्वरूप असमर्थता।

उक्त सेवा मुक्ति का तात्पर्य उस सेवा मुक्ति से है जो सशस्त्र सेना में अल्प अवधि की सेवा के बाद हुई हो, न कि प्रशिक्षण के दौरान अथवा अन्त में, अथवा उसे अल्प सेवा कमीशन के थीरान अथवा उसके अन्त में जो वास्तविक सेवा में लिये जाने से पूर्व ऐसे प्रशिक्षण की अवधि को पूरा करने के लिये प्रदान किया गया हो और न ही इसमें उन अधिकारियों के मामले शामिल होंगे जिन्हें कदाचरण अथवा अदक्षता के कारण अथवा जिन्हें अपने अनुरोध पर सेवा मुक्त किया गया हो।

टिप्पणी 2—“सेवामुक्ति का नियत वर्ष” शब्दावली का अर्थ है—

- (i) जहाँ तक इसका सम्बन्ध आपात कमीशन प्राप्त अधिकारियों से है, वह वर्ष जिसमें प्रतिरक्षा मञ्चानय में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत

प्रावस्था-भाजित कार्यक्रम के अनुसार सेवामुक्ति होने हैं; और

(ii) जहाँ तक इसका सम्बन्ध अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों से है, वह वर्ष जिसमें उनका अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में 5 वर्ष का सामान्य सेवा काल समाप्त होता है।

टिप्पणी 3:—यदि किसी उम्मीदवार को आवेदन पत्र देने के बाद सशस्त्र सेना में स्थायी कमीशन मिल जाए या वह सशस्त्र सेना से स्थायग पत्र दे दे या उसे बांदा से कदाचरण, अदक्षता अथवा उसके अनुरोध पर उसे सेवामुक्त मिल जाए तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 4:—केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों के अधीन या सरकारी उदयों में नियुक्त हैंजोनियर और डाक्टर इस परीक्षा में बैठने के लिए पांत्र नहीं होंगे, जिनसे अनिवार्य दायित्व योजना के अधीन एक निर्धारित घूनतम अवधि के लिये सशस्त्र सेना में सेवा करने की अपेक्षा की जाती है तथा ऐसी सेवा की अवधि में सम्बन्धित नियमों के अधीन जिन्हें अल्प सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

टिप्पणी 5:—सशस्त्र सेना के स्वयं सेवक आरक्षित दलों (वालिण्टर रिजर्व कोर्स) के अधिकारी तथा जिन्हें अस्थायी सेवा के लिए नुलाया गया हो, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे।

6. इन नियमों के उपबन्धों के अधीन सभी भूतपूर्व सनिक इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

टिप्पणी:—भूतपूर्व सनिक का अर्थ उस व्यक्ति से है, जिसने संघ की सशस्त्र सेना में किसी पद पर (चाहे पद लक्ष्मी का हो या न हो) लगातार 6 महीने की अवधि की सेवा की हो तथा जिसे बरबास्तगी, या कदाचारण या अदक्षता के कारण सेवामुक्ति को छोड़ अन्य कारणों से सेवामुक्त किया गया हो।

स्पष्टीकरण:—इन नियमों के प्रयोजन के लिये “संघ की सशस्त्र सेना” में भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेना शामिल होगी परन्तु इसमें निम्नलिखित दलों के सबस्य शामिल नहीं हैं, मामतः:

- (क) बासाम राइफल्स;
- (ख) लोक सहायक सेना; तथा
- (ग) छामान्य रिजर्व हैंजोनियर दल।

7. (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार मा तो

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) सिक्खिम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या

(2) ऐसा तिव्रती शरणार्थी हो जो भारत में स्थायी रूप से बसते की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पूर्व भारत या गया हो, या

(च) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो जो भारत में अस्थायी रूप से बसने की छज्जा से पाकिस्तान, अर्मा, लंका और केन्या, उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य संघनिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) के इन पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रवेशित हुआ हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ) और (च) श्रेणियों से सम्बन्धित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता-प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परन्तु, निम्नलिखित में से किसी श्रेणी से सम्बन्धित उम्मीदवारों के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा:—

(i) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 से पहले पाकिस्तान से भारत में प्रवेशित हुए और तब से आमतौर पर भारत में ही रह रहे हैं।

(ii) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में प्रवेशित हुए और संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन अपने आप को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत करा चुके हैं।

(iii) ऊपर की (च) श्रेणी के वे गैर-नागरिक, जो संविधान लागू होने की तारीख, अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आए और तब से लगातार उस सेवा में काम कर रहे हैं। परन्तु जो सेवा मंग करके 26 जनवरी, 1950 के बाद उस सेवा में फिर आया हो या फिर आए, उसके लिए सामान्य रूप में पात्रता-प्रमाण पत्र लेना आवश्यक होगा।

इसके अलावा एक शर्त यह भी है कि उपर्युक्त (ग), (घ) और (च) श्रेणियों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) — (आशुलिपिकों के उपसंबंधी के ग्रेड II) में नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

(2) जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक है, यदि सरकार उसे आवश्यक प्रमाण-पत्र दे दे तो उसे परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है और अनितम रूप में उसकी नियुक्ति भी की जा सकती है।

8. (क) जो आपात कमीशन प्राप्त अधिकारी/अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी उपर्युक्त नियम 5 के अधीन इस परीक्षा में बैठना चाहता हो, उसके लिए यह जरूरी है कि जिस वर्ष उसने सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में प्रवेश किया था या कमीशन प्राप्त किया था (जहां प्रशिक्षण की व्यवस्था केवल कमीशन के बाद थी) उस वर्ष की एक जनवरी को उसकी आयु पूरे 24 वर्ष की न हुई हो।

(ख) 24 वर्ष की आयु-सीमा में उन आपात कमीशन प्राप्त / अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के लिए 35 वर्ष की आयु तक की छूट दे दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों / कार्यालयों में अथवा निवाचित आयोग तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के कार्यालय में आशुलिपिकों (इसमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल है)। लिपिकों/आशुलिपिकों के पदों पर नियमित रूप में नियुक्ति किये गये थे और जिन्होंने उस वर्ष की पहली जनवरी को (जिस वर्ष) उन्होंने कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में प्रवेश किया था या कमीशन प्राप्त किया था (जहां कमीशन के बाद प्रशिक्षण हुआ था),

आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक समेत)/लिपिक/आशुलिपिक के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरंतर सेवा कर ली थी; और उसी रूप में कार्य करते आ रहे होते यदि सशस्त्र सेना में प्रवेश न करते या जिन्होंने 1 जनवरी, 1970 को भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में अथवा निवाचित आयोग तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के कार्यालय में नियमित रूप में नियुक्त आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक समेत) लिपिक/आशुलिपिक के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरंतर सेवा कर ली है तथा उसी रूप में नौकरी करते आ रहे हैं।

परन्तु उपर्युक्त आयु सम्बन्धी छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जायेगी जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पहले ली गई परीक्षाओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी में आशुलिपिकों के रूप में नियुक्त किये जा चुके हैं:—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, या
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा, या
- (iii) भारतीय विदेश सेवा (ख), या
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा।

टिप्पणी:—डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल-डाक लंगाईकारों को सेवा उपर्युक्त नियम 8 (ख) के प्रयोगन के लिये लिपिक ग्रंड में की गई सेवा मानो जाएगी।

(ग) उपर्युक्त नियम 6 के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने के इच्छुक किसी भी भूतपूर्व सैनिक के “बुलाया सेवा” (काल-अप-सर्विस) की अवधि भी उपरोक्त नियम 8 (ग) के प्रयोगन के लिये सशस्त्र सेना में की गई सेवा समझी जाएगी।

(घ) ऊपर के सभी मामलों में ऊपरी आयु-सीमा में निम्नलिखित रूप में अतिरिक्त छूट दी जाएगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (ii) यदि उम्मीदवार पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद प्रवेशित करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद प्रवेशित करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक;
- (iv) यदि उम्मीदवार संघ राज्य-क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो और किसी स्तर पर उसकी शिक्षा केंच भाषा के माध्यम से हुई हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;

- (v) यदि उम्मीदवार लंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर 1964 को या उसके बाद में लंका से भारत में प्रवृत्ति हुआ हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (vi) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा लंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति भी हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद लंका से भारत में प्रवृत्ति हुआ हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (vii) यदि उम्मीदवार संघ राज्य-क्षेत्र गोपा, इमन और दीव का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व-टांगानिका और जंजीबार) से प्रवृत्ति हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक;
- (ix) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्ति हुआ हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (x) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो और बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति भी हो, और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्ति हुआ हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (xi) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा किसी उप-द्रव्यप्रस्त इलाके में फौजी कार्यवाहियों के समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा-सेवा-कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष तक; और
- (xii) किसी दूसरे देश से संघर्ष के समय अथवा किसी उप-द्रव्यप्रस्त इलाके में फौजी कार्यवाही के समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा-सेवा-कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित हो, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक;
- (ङ) उपर्युक्त उप-पैरा (क) में निर्धारित आयु-सीमा में निम्नलिखित व्यक्तियों के लिए भी छूट दी जायेगी:—
- (i) यदि उम्मीदवार ने 1963 में सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में प्रवेश किया हो या कमीशन प्राप्त किया हो (जहाँ प्रशिक्षण केवल कमीशन के पश्चात हुआ था) और वह पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक;

- (ii) यदि उम्मीदवार ने 1963 म सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में प्रवेश किया हो या कमीशन प्राप्त किया हो (जहाँ प्रशिक्षण केवल कमीशन के पश्चात हुआ था) और वह अनुसूचित जाति या आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक;
- (iii) यदि उम्मीदवार ने 1963 या 1964 या 1965 में सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में प्रवेश किया हो या कमीशन प्राप्त किया हो (जहाँ प्रशिक्षण केवल कमीशन के पश्चात हुआ था) और वह अन्दमान व निकोबार द्वीप समूह का निवासी हो तो अधिक से अधिक 4 वर्ष तक; और
- (iv) यदि उम्मीदवार ने 1963 या 1964 या 1965 में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में प्रवेश किया हो या कमीशन प्राप्त किया हो (जहाँ प्रशिक्षण केवल कमीशन के पश्चात हुआ था) और वह भारत का नागरिक हो तथा लंका से आया हुआ देश-प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

व्यापार:—यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 8(ख) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि वह आवेदन पत्र देने के बावेका, परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में नौकरी से त्याग पत्र देदे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाए तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छठनी हो जाए तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) वह आशुलिपिक (भाषा-आशुलिपिक समेत) /लिपिक/ आशुलंकक, जो सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में प्रवेश करते समय या कमीशन (जहाँ प्रशिक्षण केवल कमीशन के पश्चात हुआ था) में प्रवेश करते समय सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद पर प्रतिनियुक्ति पर था या सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद (एक्स-कैडर पोस्ट) पर प्रतिनियुक्ति पर है, सशस्त्र सेना से सेवामुक्त होने पर यदि अन्यथा सब प्रकार से पात्र हो, तो परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होगा।

9. कोई भी उम्मीदवार परीक्षा में दो बार से अधिक नहीं बैठ सकेगा; यह प्रतिबन्ध सन 1969 में हुई परीक्षा से लागू होगा।

टिप्पणी 1:—यदि कोई उम्मीदवार वास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो तो उसे वर्ग I या वर्ग II में सम्मिलित सभी सेवाओं/पदों के लिए, जैसी भी स्थिति हो, (नियम 2 देखिये) परीक्षा में, जिसमें आयोग द्वारा उसे बैठने की अनुमति दी गई हो, बैठा माना जाएगा।

10. यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षाओं में से कोई एक पास की हो या उसके पास निम्नलिखित में से कोई एक प्रमाण-पद्धत हो:—

- (i) भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वकियालय की मैट्रिक परीक्षा;

- (ii) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में प्रालान्त (स्कूल लीविंग), माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाण-पत्र के दिए जाने के लिए ली गई परीक्षा जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिये मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के समकक्ष मानती हो।
- (iii) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाण-पत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज);
- (iv) राज्य सरकारोंद्वारा ली गई युरोपीय हाई स्कूल परीक्षा;
- (v) अरबिन्द इन्टरनेशनल सेन्टर आफ एजुकेशन पाइडेंचरी की उच्चतर माध्यमिक पाठ्यचर्चा की इसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र;
- (vi) दिल्ली पीलीटैकनीक के तकनीकी हायर सैकेंडरी स्कूल की इसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र;
- (vii) किसी मान्यता-प्राप्त हायर सैकेंडरी स्कूल या इंडियन स्कूल सार्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार करने वाले किसी मान्यता-प्राप्त स्कूल की इसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र;
- (viii) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा, केबल जामिया के बास्तविक आवासी छात्रों के लिए;
- (ix) बंगाल (साइंस) स्कूल सार्टिफिकेट;
- (x) नेशनल काउन्सिल आफ एजुकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद्) जादवपुर, पश्चिमी बंगाल की (शुरू से लेकर) फाइनल स्कूल स्टेंडर्ड परीक्षा;
- (xi) पांडिचेरी की नीचे लिखी फ्रेंच परीक्षाएँ:—
 (i) श्रीबै एलिमेंटरीय (ii) श्रीबै दैएंसीमा प्रीमीयर द लांग इंडियेन (iii) श्रीबै दे एत्यूदद्यू प्रामियर सिक्ल
 (iv) श्रीबै द एंसीमा प्रीमीयर सुप्रियेयर दे लांग इंडियेन और (v) श्रीबै दे लांग इंडियेन (बर्नाकूलर),
- (xii) इंडियन आर्मी स्पेशल सार्टिफिकेट आफ एजुकेशन,
- (xiii) भारतीय नौसेना का हायर एजुकेशन टेस्ट,
- (xiv) एडवांस्ड क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा,
- (xv) सीलोन सीनीयर स्कूल सार्टिफिकेट परीक्षा,
- (xvi) इस्ट बंगाल सैकेंडरी एजुकेशन बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाण-पत्र।
- (xvii) पूर्व पाकिस्तान में कौमिला (राजशाही) खुलना स्थित सैकेंडरी एजुकेशन बोर्ड द्वारा दिये गये सैकेंडरी स्कूल सार्टिफिकेट,
- (xviii) नेपाल सरकार की स्कूल लीविंग सार्टिफिकेट परीक्षा,
- (xix) एंग्लोवर्नाकूलर स्कूल लीविंग सार्टिफिकेट (बर्मा),
- (xx) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एग्जामिनेशन सार्टिफिकेट,
- (xxi) शिक्षा विभाग, बर्मा (युद्ध-पूर्व) की एंग्लोवर्नाकूलर हाई स्कूल परीक्षा,
- (xxii) बर्मा का पोस्ट-वार स्कूल लीविंग सार्टिफिकेट,
- (xxiii) गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की "विनीत" परीक्षा,
- (xxiv) गोवा, दमन और दीव की पुर्वगाली परीक्षा "लाइसियूम" के पांचवें ग्रेड में पास,
- (xxv) "सामान्य" स्तर पर लंका की जनरल सार्टिफिकेट आफ ऐजुकेशन नामक परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिहली या तमिल सहित छः विषयों में पास की गई हो।
- (xxvi) "सामान्य" स्तर पर लंदन के एसोसियेटेड एग्जामिनेशन बोर्ड्स की जनरल सार्टिफिकेट आफ ऐजुकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हो।
- (xxvii) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर सैकेंडरी तकनीकी स्कूल परीक्षा।

टिप्पणी 1:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा दे चुका हो, जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। जो उम्मीदवार उक्त किसां अर्हक (क्वालिफाइंग) परीक्षा में बैठना चाहते हों, वे भी आवेदन पत्र दे सकते हैं बास्तें कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले हो जाय। ऐसे उम्मीदवार यदि अन्य शर्तें पूरा करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जायगा, किन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम होगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण पत्र जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के गुरु होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के अन्दर-अन्दर प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द कर दी जा सकती।

टिप्पणी 2:—किन्हीं आपवादिक मामलों में, किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसके पास इस नियम में निर्धारित कोई उपाधि नहीं है आयोग अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार भान सकता है, बास्तें कि उसके पास ऐसी अर्हताएँ हों जिनका स्तर, आयोग की राय में, परीक्षा में प्रवेश के लिए न्यायोचित है।

11. (क) जिस पुरुष उम्मीदवार की एक से अधिक जीवित पत्नियां हों या एक पत्नी के जीवित रहने पर भी किसी ऐसी स्थिति में विवाह करे कि वह विवाह उक्त पत्नी के जीवित रहने की अवधि में किये जाने के कारण शून्य (वायड) हो जाये तो उसे उन सेवाओं/पदों पर, जिनके लिये इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं, नियुक्ति का तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि भारत सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसा करने के विशेष कारण है और पुरुष उम्मीदवार को इस नियम से छूट न दे दे।

(ख) जिस महिला उम्मीदवार का विवाह इस कारण शून्य (वायड) हो कि उक्त विवाह के समय उसके पति की एक जीवित पत्नि पहले से है या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसकी उक्त विवाह के समय एक जीवित पत्नि हो, वह उन सेवाओं/पदों पर, जिनके लिये इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं, नियुक्ति की तब तक पात्र नहीं मानी जाएगी जब तक कि भारत सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसा करने के विशेष कारण है, और महिला उम्मीदवार को इस नियम की छूट न दे दे।

(ग) जिस व्यक्ति ने किसी विदेशी राष्ट्रिक से विवाह किया हो वह भारतीय विदेश सेवा (आ) में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

(ब) जिस व्यक्ति के सीन से अधिक बच्चे हों वह भारतीय विदेश सेवा (ब) में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा ।

12. जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवा कर रहा हो उसे इस परीक्षा के लिये अपना आवेदन पत्र अपनी युनिट के कमान-अफसरों को प्रस्तुत करना होगा जो उसे संबंधित सेवा आयोग को भेज देगा ।

जो अन्य सभी उम्मीदवार सरकारी सेवा कर रहे हों, उन्हें इस परीक्षा में बैठने के लिये अपने आवेदन पत्र अपने सम्बन्धित विभाग के अध्यक्ष अध्यात्म कार्यालय के अध्यक्ष को प्रस्तुत करना आवश्यक है जो उन्हें संबंधित सेवा आयोग को भेज देगा ।

13. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डॉक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हुआ कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सका है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डॉक्टरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किए जाने की सम्भावना हो ।

टिप्पणी:—अशक्त भूतपूर्व-रक्षा-सेवा-कार्मिकों के सम्बन्ध में रक्षा सेवा के डीमीबीलाइज़ेशन मैडिकल बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाणपत्र नियुक्ति के लिये पर्याप्त समझा जाएगा ।

14. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा ।

15. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (सार्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो ।

16. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो वह परीक्षा में बैठने के लिये अयोग्य घोषित किया जा सकेगा ।

17. यदि कोई उम्मीदवार आयोग द्वारा इस बात के लिये घोषी घोषित किया जाए या कर दिया गया हो कि उसने किसी दूसरे अधिकारियों से अपनी परीक्षा दिलवाई है या जाली प्रमाण पत्र आदि पेश किए हैं या ऐसे प्रमाणपत्र पेश किए हैं जिनमें कोई हेराफेरी की गई है या गलत या झूठे बक्तव्य दिये हैं या कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया गया है या परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के लिये किसी और अनियमित या अनुप्रयुक्त सरीकों से काम लिया है या काम लेने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में कोई अनुचित आचरण किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (फिमिनल प्रौजीक्यूशन) चलाया जा सकता है और साथ ही :

(क) उसे हमेशा के लिये या किसी विशेष अवधि के लिये

(i) आयोग उम्मीदवार के चुनाव के लिये उसके द्वारा सी जाने वाली किसी परीक्षा या इन्टरव्यू में शामिल होने से रोक सकता है, और

(ii) केन्द्रीय सरकार अपने अधीन नियुक्त होने से उसे रोक सकती है ।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकारी सेवा में नियुक्त हो तो उसके विलाफ उपयुक्त नियमों के अस्तित्व अनुशासिक कार्यवाही की जा सकती है ।

18. परीक्षा के पश्चात्:—

(क) वर्ग I में सम्मिलित सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिये गये कुल अंकों से प्रकट गुणों के आधार पर आयोग द्वारा उम्मीदवारों की क्रमबद्ध सूची बनाई जाएगी और परीक्षा के परिणामों पर नियुक्ति के लिये केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी II की वरण सूची में शामिल करने के लिये उसी क्रम से आयोग उम्मीदवारों की सिफारिश करेगा, और

(ख) वर्ग II में सम्मिलित सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिये गए कुल अंकों से प्रकट गुणों के आधार पर आयोग द्वारा उम्मीदवारों की क्रमबद्ध सूची बनाई जाएगी, और परीक्षा के परिणामों पर भरे जाने के लिये उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति के लिये उसी क्रम से आयोग उन उम्मीदवारों को सिफारिश करेगा, जिनको वह परीक्षा में उत्तीर्ण समझता है। परन्तु अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति का जो उम्मीदवार किसी सेवा/पद के लिये आयोग द्वारा निर्धारित मान के अनुसार योग्य सिद्ध न होने पर भी आयोग द्वारा उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी II की वरण सूची में शामिल करने के लिये उपयुक्त घोषित कर दिया जाए और इससे प्रशासनिक कुशलता में किसी प्रकार का व्याघात होने का भय न हो, तो वह उस सेवा/पद में, यथास्थिति, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षित छाली पदों पर नियुक्ति का हकदार होगा ।

19. यदि परीक्षा के परिणाम के आधार वर्ग I में सेवाओं/पदों के लिये सेवामूल आपात कमीशन प्राप्त/अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा वर्ग II में सेवाओं/पदों के लिए भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षित छाली पदों को भरने के लिए पर्याप्त संख्या में उत्तीर्ण उम्मीदवार उपलब्ध न हों तो न भरे गए छाली पद सरकार द्वारा इस संबंध में निर्धारित की जाने वाली पद्धति से भरे जायेंगे ।

20. किसी उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन पत्र भेजते समय बताई गई प्रायमिकताओं पर उस वर्ग में (देखिए नियम 1) सम्मिलित विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए जिसके लिए उसे परीक्षा में बैठने दिया गया है (देखिये आवेदन पत्र का खाना 24) इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियां करते समय समुचित ध्यान रखा जाएगा ।

21. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार फरेगा और आयोग परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा ।

22. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

23. जिन सेवाओं/पदों के लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट II में दिया गया है।

एम० के० वासुदेवन, अवर सचिव

परिशिष्ट I

1. प्रतियोगिता-परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित हैं—

(क) शी विषयों में लिखित परीक्षा जैसा नीचे के पैरा 2 में दिया गया है जिसके पूर्णांक 200 होंगे।

(ख) लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिए अंग्रेजी में आशुलिपि परीक्षाएं, जैसा नीचे के पैरा 3 में दिया गया है, जिनके पूर्णांक 300 होंगे जिसमें 50 अंक आपात कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में संशोधन सेना में सेवा के रिकार्ड के मूल्यांकन को दिये जाएंगे।

2. लिखित परीक्षा के विषय तथा प्रत्येक विषय के लिये दिया गया समय तथा पूर्णांक इस प्रकार होंगे—

विषय	दिया गया समय	पूर्णांक
1. अंग्रेजी	. . . 3 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	. . . 3 घंटे	100

3. (एक) उम्मीदवारों को परीक्षा के लिये अंग्रेजी के दो डिक्टेशन दिए जाएंगे, पहला 120 शब्द प्रति मिनट की गति पर, जो सात मिनट का होगा तथा दूसरा 100 शब्द प्रति मिनट की गति पर जो दस मिनट का होगा, उम्मीदवारों को क्रमशः 45 और 50 मिनट में इन्हें टाइप कर लेना होगा।

(दो) जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन में न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे उन्हें 100 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से ऊपर रखा जाएगा। प्रत्येक वर्ग में उम्मीदवारों को, प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों से पथाप्रकाशित गुणों के परस्पर अनुक्रम में रखा जाएगा।

(तीन) उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नोट टाइप करने होंगे और इसके लिए उन्हें अपनी-अपनी टाइप-मशीन लानी होगी।

4. परीक्षा का पाठ्य विवरण साथ लगी अनुसूची में दिए अनुसार होगा और लिखित परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र वही होंगे जो साथ-साथ होने वाली नियमित आशुलिपिक परीक्षा की योजना में इन विषयों के लिए होंगे।

5. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए।

6. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अच्युक्ति की सञ्चायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित करेगा।

8. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के सिये बुलाया जाएगा जो आयोग के द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे।

9. केवल सतही शान के लिये कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

10. अस्पष्ट लिखावट के कारण, लिखित विषयों के अधिकतम अंकों में से 5 प्रतिशत तक काट लिये जाएंगे।

11. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष लिहाज रखा जाएगा कि भाषाभिव्यक्ति आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में, कमबढ़ तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई है।

अनुसूची

परीक्षा का स्तर और पाठ्य-विवरण

टिप्पणी:—प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रिक्युलेशन परीक्षा का होता है।

अंग्रेजी:—यह प्रश्न-पत्र इस रूप में तैयार किया जाएगा जिसमें उम्मीदवारों के अंग्रेजी-व्याकरण और निबन्ध रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और मुझ अंग्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जांच हो जाए। अंक देते समय वाक्य-विम्पास, सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा-कौशल को ध्यान में रखा जाएगा इस प्रश्न-पत्र में निबन्ध-लेखन, सार-लेखन, मसौदा-लेखन, शब्दों का शब्द प्रयोग, आसान मुहावरों और पूर्वसर्ग (प्रीपोजीशन), कठुबाच्य और कर्मवाच्य आदि गामिल किए जा सकते हैं।

सामान्य ज्ञान:—निम्नलिखित विषयों की थोड़ी-बहुत जानकारी : भारत का सविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, सामर्थ्यक घटनाएं, सामान्य विज्ञान सत्य द्वारा प्रतिदिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पृष्ठे-लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह समझा है। उनके उत्तरों में से किसी पाठ्य-पुस्तक के व्यौरेवार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती।

परिशिष्ट II

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

क—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक (स्टेनोग्राफर) सेवा

इस समय केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के निम्नलिखित चार श्रेणियां हैं:—

प्रवरण श्रेणी:—350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रु (श्रेणी-1 से प्रोन्त्रित व्यक्तियों को इस वेतन क्रम में कम से कम 500 रु वेतन दिया जाता है।)

श्रेणी-1 350-25-650-द० रो०-30-770 रु (श्रेणी-2 से प्रोन्त्रित व्यक्तियों को कम से कम 400 रु वेतन दिया जाता है।)

श्रेणी-2 210-10-270-15-300-द० रो०-15-450 रु रो० 20-530-रु ।

श्रेणी-3 130-5-160-8-200-द० रो०-8-256-द० रो०
8-280 ह०

(2) सेवा के ग्रेड II में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अधिकार्य के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं।

(3) परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति की उसके पद पर पुष्ट कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आमतौर पर सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा तो, उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि और जिसी बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा के ग्रेड II में भर्ती किये गये व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किन्तु उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा के ग्रेड II में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नत किये जाने के पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के ग्रेड II में उनकी अपनी इच्छा के अनुसार की जाएगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के काडर में अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा न कर सकेंगे।

ख—रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा

(क) यहां तक भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति आदि का संबंध है, रेलवे मंत्रालय में नियुक्त आशुलिपिकों की सेवा की शर्तें रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना द्वारा विनियमित होती हैं जो भूतपूर्व केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना के ही अनुरूप है। इस योजना को अभी हाल में जारी किये गये केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियमों के अनुरूप बनाने के लिए और आगे संशोधित किया जा रहा है।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा रेलवे मंत्रालय तक सीमित है और उनके कर्मचारियों की केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की तरह अन्य मंत्रालयों में बदली नहीं हो सकती है।

(ग) इन नियमों के अधीन रेलवे बोर्ड आशुलिपिक सचिवालय सेवा में भर्ती हुए अधिकारी—

(i) पैशान संबंधी लाभों के पात्र होंगे और

(ii) उनकी सेवा में आने की तारीख की नियुक्ति रेलवे कर्मचारियों पर लागू होने वाले उस निधि के नियमों के अनुसार अनु-अंशवायी राज्य रेलवे भविष्य निधि के अभिवाता होंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार पासों की सुविधा तथा सुविधा टिकट आदेशों के हकदार होंगे।

(ङ) यहां तक छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में शामिल कर्मचारियों के साथ रेलवे के अन्य कर्मचारियों के समान ही व्यवहार किया जाता है किन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में उन पर नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में नियुक्त केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों पर लागू होने वाले नियम ही लागू होंगे।

ग—भारतीय विदेश सेवा(ख)—आशुलिपिकों के उप-संवर्ग का ग्रेड II

भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिक उप-संवर्ग के ग्रेड II का वेतन क्रम 210-10-270-15-300-द० रो०-15-450 द० रो० 20-530 ह० है। भारतीय विदेश सेवा (ख) के उप-संवर्ग के ग्रेड II में नियुक्त अधिकारियों पर, भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' (आर० सी० एस० पी०) नियम 1964 तथा भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम, 1961, जैसे कि वे भारतीय विदेश सेवा 'ख' पर लागू होते हैं, तथा अन्य ऐसे नियम तथा आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किए जाएं लागू होंगे।

भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' विदेश मंत्रालय तथा विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त अधिकारियों की बदली आमतौर पर विदेश व्यापार तथा सम्भरण मंत्रालय (विदेश व्यापार विभाग) के अतिरिक्त अन्य मंत्रालयों में नहीं की जा सकती। हां, उनकी नियुक्ति विदेशों में अन्य मंत्रालयों के उपस्थिति-रजिस्टर में आनीत पदों पर की जा सकती है और अन्तर्राष्ट्रीय आयोगों इत्यादि में भी उन्हें नियुक्त किया जा सकता है। वे भारत में या इस से बाहर अपारिवारिक केन्द्रों सहित कहीं भी सेवा पर नियुक्त किये जा सकते हैं।

विदेश में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को अपने मूल वेतन के अलावा संबंधित देशों के निवाह खर्च को देखते हुए समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली दरों पर विदेश भत्ता भी दिया जाता है। इसके अलावा भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम, 1961, जैसे कि वे भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों पर लागू होते हैं, के अनुसार अन्य विदेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी दी जाती हैं:-

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित स्तर के अनुसार निःशुल्क साजसामान-युक्त आवास।
- (ii) सहायित चिकित्सा योजना के अधीन चिकित्सा सुविधाएं।
- (iii) कुछ शर्तों के अधीन 8 से 21 वर्ष तक की आयु के भारत में शिक्षा पाने वाले बच्चों के लिए वर्ष में एक बार सम्मी छुट्टियों के दौरान मातापिता से मिलने के लिए वापसी हवाई यात्रा का किराया।
- (iv) समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर 5 से 18 वर्ष तक की आयु के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिये शिक्षा-भत्ता।
- (v) समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर और विहित नियमों के अनुसार विदेश सेवा के संबंध में सज्जा-भत्ता। जिन अधिकारियों की नियुक्ति ऐसे

देशों में की जाती है जहाँ असामान्य रूप से ठड़ पड़ती है, उन्हें सामान्य सज्जा-भत्ता के अलावा विशेष सज्जा-भत्ता भी दिया जाता है।

(vi) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों तथा उसके परिवार के लिये छुट्टी में घर जाने आने का यात्रा-व्यय।

सेवा के सदस्यों पर, कुछ आशोधनों के साथ, समय-समय पर यथा-संशोधित "परिशोधित छुट्टी नियम, 1933" लागू होंगे। कुछ पढ़ौसी देशों को छोड़ कर अन्य देशों में नियुक्त अधिकारी विदेश सेवा के लिये, परिशोधित छुट्टी नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य छुट्टी के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी जमा के हकदार होंगे।

भारत में रहते हुए अधिकारी अपने समान तथा उसी स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए स्वीकार्य रियायतों के हकदार होंगे।

भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों पर समय-समय पर यथा-संशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियम, 1960 तथा उनके अधीन जारी किए गए आदेश लागू होते हैं।

इस सेवा में नियुक्त अधिकारियों पर समय-समय पर यथा-संशोधित उधारीकृत रेंजन नियम, 1950 के तथा उसके अधीन जारी किये गये आदेश लागू होते हैं।

अ—सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्न-लिखित दो ग्रेड हैं:—

आशुलिपिक ग्रेड I—(श्रेणी II राजपत्रित)-350-25-650 रु०

आशुलिपिक ग्रेड II—(श्रेणी II राजपत्रित)-210-10-270-15-300-द० रो०-15-450-द० रो०-20-530 रु०

ग्रेड I के पद ग्रेड II के आशुलिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती केवल ग्रेड II में ही की जाती है।

2. अस्थायी आशुलिपिक ग्रेड II के रूप में सीधे भर्ती होने वाले व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि में सेवा का रिकार्ड असन्तोषजनक होने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाला जा सकता है। परिवीक्षा की अवधि के दौरान सेवा के किसी सदस्य को सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं।

3. सशस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किए गए आशुलिपिक ग्रेड II आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित मशस्त्र सेना मुख्यालय और अन्तः सेवा संगठनों के किसी एक कार्यालय में नियुक्त किए जायेंगे। किन्तु उनकी बदली दिल्ली/नई दिल्ली से बाहर ऐसे नगरों में भी की जा सकेगी जहाँ सशस्त्र सेना मुख्यालय/अन्तः सेवा संगठनों के कार्यालय स्थित हों।

4. आशुलिपिक ग्रेड-II समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार आशुलिपिक ग्रेड I के पदों पर पदोन्नति के पाव होंगे।

5. छुट्टी, चिकित्सा सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तः सेवा पंगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

अ—चुनाव आयोग, भारत

चुनाव आयोग में आशुलिपिक के पदों का वेतन मान केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के समान ही 210-10-270-15-300-द० रो०-15-450-द० रो०-20-530 रु० होगा। किन्तु ये पद केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में शामिल नहीं हैं और इन पदों पर नियुक्त व्यक्ति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के काउंसिल में सम्मिलित पदों पर नियुक्ति का कोई वाव न कर सकेंगे।

अ—पर्यटन विभाग

पर्यटन विभाग में वरिष्ठ आशुलिपिकों के पद 210-10-270-15-320-द० रो०-15-425 के परिशोधित वेतन मान में स्वीकृत हैं और सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II (अराजपत्रित)-लिपिक-वर्गीय से संबंधित हैं। कम से कम 5 वर्ष की सेवा वाले वरिष्ठ आशुलिपिक 320-15-470-द० रो०-15-530 रु० के वेतन मान में वैयक्तिक सहायकों के पद पर नियुक्ति के पात्र होते हैं। इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को आमतौर पर विभाग के मुख्यालय स्थापना में कार्य करना होगा किन्तु उन्हें भारत में कहीं भी काम करने के लिए कहा जा सकता है।

अ—संसदीय मामलों का विभाग

इस विभाग में आशुलिपिकों के पदों का वेतन मान 210-10-270-15-300-द० रो०-15-450-द० रो०-20-530 रु० है।

प्रतियोगिता परीक्षा के जरिये चुनाव द्वारा सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रखा जाएगा।

अ—केन्द्रीय सतर्कता आयोग, भारत

केन्द्रीय सतर्कता आयोग में आशुलिपिक के पदों का वेतन कम केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में आशुलिपिक के पदों के समान 210-10-270-15-300-द० रो०-15-450-द० रो०-20-530 रु० है किन्तु ये पद उस सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

पैद्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय

(रसायन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1970

संकल्प

सं० 55(17)/69-फट०-2—पैद्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (रसायन विभाग) के संकल्प संदर्भ फट०-2-55 (17)/69, दिनांक 5-8-1969 का संशोधन करते हुए, कण्ठिका (पैरा) 5 के स्थान पर निम्न कण्ठिका प्रतिस्थापित की जाए :—

"5. आयोग अपनी रिपोर्ट सात महीनों के अन्दर पेश करेगा।"

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प भारत के राजपत्र के भाग-I, खण्ड 1 में प्रकाशित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति भारत सरकार के मारे मन्त्रालयों/विभागों को भेजी जाए।

एम० रामाकृष्णद्या, संयुक्त सचिव

पोतपरिवहन तथा परिवहन मन्त्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1970

संकल्प

फा० सं० 28-एम० टी० (19)/69—भारत सरकार,
भूतपूर्व परिवहन तथा संचार मन्त्रालय (परिवहन विभाग)
के समय समय पर यथा संशोधित संकल्प सं० 24-एम०
टी० (6)/52 दिनांक 17 अगस्त 1959, के अनुसरण में
तथा 6-9-69 को भारत के राजपत्र के भाग 1 खंड 1 में प्रकाशित
पोत परिवहन तथा परिवहन मन्त्रालय के संकल्प सं० 28-एम
टी० (19)/69, दिनांक 25 अगस्त 1969 के अधिक्रमण में केन्द्रीय
सरकार एतद्वारा दो बोर्डों के लिए एक व्यापारिक बेड़ा प्रशिक्षण
बोर्ड स्थापित करती है जिस के निम्नलिखित सदस्य होंगे, और श्री
एम० पी० भार्गव, सदस्य राज्य सभा, को इस संकल्प के प्रकाशित होने
की तारीख से उक्त बोर्ड का अध्यक्ष नामित करती है :

1. श्री एम० पी० भार्गव . अध्यक्ष
2. पोतपरिवहन नौमहानिदेशक . पदेन उपाध्यक्ष
3. व्यापारिक बेड़ा प्रशिक्षण संस्थानों
से संबंधित उप-सचिव, पोतपरि-
वहन तथा परिवहन मन्त्रालय ।
4. पोतपरिवहन तथा परिवहन पदेन सदस्य।
मन्त्रालय से संबंधित उप-सचिव,
वित्त मन्त्रालय ।
5. भारत सरकार के नौसलाहकार पदेन सदस्य
6. भारत सरकार का मुख्य सचेतक पदेन सदस्य
7. प्रधानाचार्य, लाल बहादुर शास्त्री
नौ इंजीनियरिंग कालेज, बम्बई पदेन सदस्य
8. निर्देशक, समुद्री इंजीनियरी
प्रशिक्षण, कलकत्ता । पदेन सदस्य
9. कप्तान अधीक्षक, प्रशिक्षण पोत पदेन सदस्य
'उफरिन' बम्बई ।
10. कप्तान अधीक्षक, प्रशिक्षण पोत पदेन सदस्य
'भद्रा' कलकत्ता ।
11. श्री एस० डी० वसवन्त, 164,
नार्थ एवन्यू, नई दिल्ली ।
12. श्री एन० रामकृष्ण आह्यर, 41 संसद के प्रतिनिधि
नार्थ एवन्यू, नई दिल्ली ।
13. कप्तन श्री हरीलाल शर्मा, रक्षा मन्त्रालय
कमान्डिंग आर्फिसर, के प्रतिनिधि
आई०एन०एस० मैसूर, मार्फत
फ्लीट मेल, बम्बई

14. श्री दी० आर० रेड्डी, शिक्षा तथा युवक सेवा
संहायक शिक्षा-सलाहकार मन्त्रालय के प्रतिनिधि
(प्राविधिक), शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्रालय
नई दिल्ली ।
15. डा० ए० रामचन्द्रन, तकनीकी शिक्षा की अखिल
निदेशक, भारतीय भारतीय परिषद प्रति-
तकनोलॉजी संस्थान, निधि ।
मद्रास-36 ।
16. श्री सी० पी० श्रीवास्तव, शिर्पिंग कारपोरेशन आफ
अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदे- इंडिया के प्रतिनिधि ।
शक, शिर्पिंग कार-
पोरेशन आफ इंडिया,
बम्बई ।
17. श्री टी० एम० गोकुलदास, इंडियन नेशनल स्टीमशिप
मार्फत सिर्पि टीम ऑनर्स एसोसिएशन के
नीविगेशन कम्पनी, सिधिया
हाऊस, वल्लार्ड इस्टेट,
बम्बई ।
18. कप्तान बी० डी० कटा-
रिया, मार्फत मैसर्स डेम्प्स
स्टीमशिपस लिमिटेड,
मोती महल, जे० टाटा
रोड, बम्बई ।
19. कप्तान जे० सी० आनन्द, पत्तन न्यासों के प्रतिनिधि
मार्फत मैसर्स वेंट
ओसीन, स्टीमशिप
प्राइवेट लिमिटेड,
फोट्ट हाउस बिल्डिंग, 221,
डा० वायभाई नौरोजी
रोड, बम्बई-1 ।
20. कप्तान डी० हृष्टन/ कलकत्ता लाइनरस
कप्तान ए० बी० मेकस्वी ने कान्फरेंस (कर्मिक) तथा
(कलकत्ता में होने वाली
बैठक के लिए बैकल्पिक
(कर्मिक) बम्बई के
सदस्य) ।
21. श्री रसिक लाल एच० नरेचानिया, मार्फत उच्चोग मंडल संघ नई
मालावार स्टीमशिप दिल्ली, के प्रतिनिधि
कम्पनी लिमिटेड, दरा-
बशी हाऊस, 10 वल्लार्ड
रोड, बम्बई ।

22. श्री जे० डॉ० रोडेरी, मरिटाइम यूनियन आफ मार्फत मैरिटाइम यूनियन इंडिया के प्रतिनिधि आफ इंडिया, नेशनल इंशेयरेंस बिल्डिंग, 204, आ० डी० नौरोजी रोड, बम्बई-1।
23. श्री लिओ बरनीज, मार्फत नेशनल यूनियन आफ सीफ-नेशनल यूनियन आफ सीफे-अरस आफ इंडिया, 4 प्रतिनिधि। गोआ स्ट्रीट, बम्बई।
24. श्री औ० एस० बनर्जी, उप नौमहानिदेशक, बम्बई, जो व्यापारिक बेड़ा प्रशिक्षण संस्थाओं से संबंधित है, उक्त बोर्ड के सदस्य सचिव सदस्य के रूप में कार्य करेंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति राष्ट्रपति के निजी तथा सैनिक सचिवों, प्रधान मन्त्री सचिवालय, मन्त्रिमंडल सचिवालय भारत सरकार के सब मन्त्रालयों, पत्तन न्यासों और पोतपरिवहन महानिदेशक बम्बई को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

New Delhi-1, the 22nd December 1969

RESOLUTION

No. F. 15/12/67-SW.5.—The Correctional Services have been an integral part of the field of Social Welfare from the early times. The services for Social Defence, to which the correctional services are an integral part, have been introduced in the Second Five Year Plan. The Central Bureau of Correctional Services was established in 1961 to provide technical services to Central and State Governments as well as voluntary organisations. The correctional services have now assumed an important place in many of the State Development Plans. A large number of organisations and agencies have been developed to promote the programme.

2. It has now been decided to establish the Central Advisory Board on Correctional Services with the following objectives :—

- (i) To advise the Central and the State Governments on matters of policy in providing correctional services;
 - (ii) To help the Central and State Governments to effectively develop the programme of correctional services throughout the country and to fill up gaps that exist at present in different areas of services;
 - (iii) Other objectives;
 - (a) to advise on matters relating to the social aspects of prevention control and treatment of delinquency and crime;
 - (b) to suggest measures for improving levels of coordination between administration of justice, police administration and correctional administration; and
 - (c) to suggest ways and means of creating social consciousness for the rehabilitation of the offenders.
3. The composition of the Board will be as follows :—

Chairman

Shri P. Govinda Menon, Minister for Social Welfare.

संकल्प

सं० 28 एम० टी० (21)/69—केन्द्रीय सरकार, 26 अगस्त 1967 को भारत के राजपत्र के भाग 1 खंड 1 में प्राकाशित परिवहन तथा पोतपरिवहन मन्त्रालय के संकल्प सं० 28-एम० टी० (6)/67 दिनांक 10 अगस्त 1967 के अन्तर्गत प्रेषित व्यापारिक बेड़ा प्रशिक्षण बोर्ड नियमावली, 1967, समय समय पर यथा संशोधित, में निम्नलिखित और संशोधन करती है :—

नियम 5 की मद 3 के सामने की प्रविधि के स्थान में निम्न-लिखित रखा जाएगा :—

(3) व्यापारिक बेड़ा प्रशिक्षण	संस्थाओं से सम्बन्धित उप	पोतपरिवहन भवानिदेशक	पदेन सदस्य
-------------------------------	--------------------------	---------------------	------------

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति पोतपरिवहन महानिदेशक, जहाजरानी भवन, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-1 को प्रेषित की जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

ई० कोलेट, संयुक्त सचिव

Vice Chairman

Dr. (Smt.) Phulrenu Guha, Minister of State for Social Welfare.

Members

Shri P. P. I. Vaidyanathan, Additional Secretary, Department of Social Welfare, Government of India.

Shri M. C. Nanavatty, Adviser Social Welfare, Department of Social Welfare, Government of India.

Two representatives from the Ministry of Home Affairs.

Shri A. K. Srinivasamurthy, Deputy Legislative Counsel, Ministry of Law.

Shri S. D. Bhattacharia, Inspector General of Prisons, West Bengal.

Shri D. J. Jadhav, I.A.S., Inspector General of Prisons, Maharashtra.

Shri E. Stracey, Inspector General of Prisons, Tamil Nadu.

Shri H. C. Sexena, Inspector General of Prisons, Uttar Pradesh.

Shri N. G. Pandya, Director Social Welfare, Gujarat.

Shri Ram Singh, Director of Social Welfare, Madhya Pradesh.

Shri K. Laxman Rao, Director Social Welfare, Mysore.

Shri Iqbal Singh, Director of Social Welfare and Inspector General of Prisons, Delhi.

Shri J. J. Panakal, Head of Department of Criminology, Tata Institute of Social Sciences, Bombay.

Shri Sushil Chandra, Prof. of Sociology, University of Lucknow.

Shri A. V. John, Retd. Inspector General of Prisons, Ernakulam, Cochin-15.

Smt. Sita Basu, former Hon. Magistrate Juvenile Court, Member, Faculty, Delhi School of Social Work.

Member-Secretary

Dr. (Smt.) Jyotsna H. Shah, Director, Central Bureau of Correctional Services.

4. The term of the Office of Advisory Board will be two years.

5. No special remuneration will be paid for the membership of the Committee. The members will, however be entitled to draw T.A. and D.A. etc. for the journeys undertaken by them in connection with this assignment in accordance with the rules applicable to them in their respective Departments in the case of officials and at the rate admissible to Grade I officers of the Government of India in the case of non-officials.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be sent to all the Members of the Committee, all Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Chief Secretaries of State Governments/Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. P. I. VAIDYANATHAN, Addl. Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 9th January 1970

No. 8/64/69-CS(II).—In this Ministry's Notification No. 8/64/69-CS(II), dated the 27th December, 1969, relating to the rules for a competitive examination to be held by the Secretariat Training School, Ministry of Home Affairs, New Delhi, for the purpose of filling temporary vacancies reserved for regularly appointed Class IV staff in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, and the Armed Forces Headquarters Clerical Service, the following shall be substituted for part II of para 5, namely :—

"II. Age.—He should not be more than 45 years of age on 1st January, 1969, i.e., must not have been born earlier than 1st January, 1924.

NOTE.—The age limit of 45 years will apply only to the first two examinations. Thereafter, the age limit will be 40 years.

The age limit prescribed above will be relaxable upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe."

M. K. VASUDEVAN, Under Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS

(Department of Chemicals)

RESOLUTION

New Delhi, the 2nd January 1970

No. 55(17)/69-Ferts.II.—In modification of the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Chemicals) Resolution No. Ferts. II-55(17)/69, dated 5th August, 1969, for paragraph 5 the following shall be substituted :—

"5. the Commission will submit its report within a period of seven months."

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1.

ORDERED also that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries/Departments of the Government of India.

M. RAMAKRISHNAYYA, Jt. Secy.

(Department of Mines and Metals)

RULES

New Delhi, the 24th January, 1970

No. 6/35/69-MIII.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in August, 1970, for recruitment to temporary vacan-

cies in the following posts in the Geological Survey of India are published for general information :—

- (i) Geologist (Junior), Class I, and
- (ii) Assistant Geologist, Class II.

Appointments on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e), and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then.
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as Citizens of India under Article 6 of the Constitution.
- (iii) Non citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution, viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-enters or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

4. (a) No male candidate who has more than one wife living or who having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life time of such spouse, shall be eligible for appointment to any of the posts, appointments to which are made on the results of this competitive examination, unless the Government of India, after being satisfied that there are special grounds for doing so, exempt any male candidate from the operation of this rule,

(b) No female candidate whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage shall be eligible for appointment to any of the posts, appointments to which are made on the results of this competitive examination, unless the Government of India, after being satisfied that there are special grounds for doing so, exempt any female candidate from the operation of this rule.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on 1st January, 1970, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1944, and not later than 1st January, 1949.

(b) The upper age limit of 26 years will be relaxable up to 30 years in respect of candidates who hold substantively permanent posts in the Geological Survey of India or have been continuously in temporary service in that Department for at least three years on 1st January, 1970.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will however, continue to be eligible if he is retrenched from his post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department, is transferred to other department/office, will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for

his transfer, provided his application, duly recommended, has been forwarded by his parent department.

6. No candidate claiming age concession as

- (i) a *bona fide* displaced person from East Pakistan who has migrated to India on or after 1st January, 1964, under clause (ii) or (iii) of Rule 5(c), or
- (ii) a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under clause (v) or (vi) of Rule 5(c), or
- (iii) a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who has migrated to India on or after 1st June, 1963, under clause (ix) or (x) of Rule 5(c), or
- (iv) a disabled defence services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area under clause (xi) or (xii) of Rule 5(c),

shall be permitted under such concession to compete at the examination a larger number of times than the maximum number of chances admissible but for such age concession.

The above restriction is effective from examination held in January, 1964.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for both the posts covered by the examination, if he competes for any one of the posts.

NOTE 2.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

7. A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

8. A candidate must have—

- (a) M.Sc. degree in Geology or Applied Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided that the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of the examination.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as *educationally qualified* provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall, or of misbehaviour in the examination hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution,—

(a) be debarred permanently or for a specified period.—

(i) by the Commission from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

(ii) by the Central Government from employment under them.

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order, 1956, read with Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu and Kashmir), Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968 and the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968.

16. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that any candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, who though not qualified by the standard prescribed by the Commission for any post, is declared by them to be suitable for appointment thereto with due regard to the maintenance of efficiency of administration, shall be recommended for appointment to vacancies reserved for members of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, as the case may be, in that post.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the post.

19. Conditions of Service relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are briefly stated in Appendix III.

K. KISHORE,
Under Secretary

APPENDIX I

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Subject	Time allowed	Maximum Marks
A. Compulsory		—
(i) English (including essay and precis writing)	3 hrs.	100
(ii) General Knowledge and Current Affairs	2 hrs.	100
(iii) Geology I— Mineralogy, Economic, Geological, Structural Geology	3 hrs.	150
(iv) Geology II— General Geology, Palaeontology, Stratigraphy, Sedimentology	3 hrs.	150
B. Optionals—		
Paper I.—Any one of the following	3 hrs.	200
(1) Indian Stratigraphy		
(2) Petrology, Igneous, Sedimentary and Metamorphic.		
Paper II.—Any one of the following	3 hrs.	200
(1) Ore Genesis and Metallic and Non-Metallic Minerals.		
(2) Engineering Geology and Ground Water Geology.		
(3) Elementary Mining Methods, and recovery of metals and minerals.		
C. Additional Optionals (For Class I Posts only).		
Any two of the following	3 hrs. each	200 each
(1) Mining Geology, Ore Beneficiation and Mineral Economics.		
(2) Geology of Coal and Oil.		
(3) Exploration Geophysics		
(4) Geochemistry, Photogeology, Nuclear Geology		
(5) Tectonics.		
(6) Advanced Stratigraphy.		
(7) Advanced Palaeontology.		

2. All papers must be answered in English.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the attached schedule.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deductions up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabus

The standard of the papers in English and General Knowledge and Current Affairs will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University, and questions will generally be set to test the candidates grasp of the fundamentals in each subject.

The standard of the Additional Optional Papers will require detailed knowledge as applicable to Geological problems.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) English (including essay and précis-writing)

Questions to test the understanding of and the power to write English. Passages will usually be set for summary or précis.

(2) General Knowledge and Current Affairs

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

(3) Geology I

Section I

Mineralogy.—Systematic study of minerals in regard to their crystalline forms; physical, chemical and optical properties; their chemical composition and alteration products. General principles of optics, in relation to the study of minerals under the microscope. Modes of occurrence and origin of minerals.

Section II

Petrology.—Igneous rocks and their diversity. Theories of petrogenesis—differentiation and assimilation. Mechanism of intrusion and structures. Micro-structures and textures in relation to the modes of formation of igneous rocks; their classification and nomenclature and relation in space and time.

Sedimentary rocks; their origin classification and nomenclature; their mineralogical, textural and structural characters and their petrographic interpretations.

Metamorphism; agents and kinds of metamorphism, grades and facies of metamorphism; their characteristic features, additive and metasomatic aspects of metamorphism. Metamorphic rocks and their nomenclature.

Section III

Economic Geology.—The process of ore genesis; different classifications of mineral deposits. Mineral paragenesis and structural relations. A study of metallic ores, fuels, non-metallic (or industrial) minerals, rare minerals Building and ornamental stones and road materials, and precious and semi-precious stones in regard to their origin, occurrence, distribution and uses.

Section IV

Structural Geology.—Physical properties of rocks; stress and strain ellipsoid, deformation and mechanics of deformation. Lineation and criteria for recognizing tops and bottoms of beds to determine order of superposition; conformable and

unconformable beds, overlap dip strike and outcrop, variation in outcrops with reference to dip of bed and slope of valleys.

Classification and description of folds, recognition of folds in the field, causes and mechanics of folding.

Classification and description of faults, effects of faults on outcrops. Criteria for recognition of faults, causes and mechanics of faulting.

Unconformities, inliers, outliers, nappes, windows and criteria for their recognition. Joints their types and significance.

Note.—Candidates may be required to answer a specified number of questions from each of the above Sections.

(4) Geology II

Section I

General Geology.—The history and development of the science of geology and its different branches; the aims, methods and applications of geology. The earth: theories of the origin and evolution of the earth, of its interior and of its age.

Radioactivity and geology. Igneous action and its manifestations.

Atmosphere, Hydrosphere, Lithosphere, and their constituents.

Geological agents—Hypogene—Igneous activity, volcanoes, their form and structure, their action, causes, results and products, and volcanic belts of the world. Earthquakes—nature, origin and effects relationship to volcanoes and earthquake belts of the world. Seismology—Principles, instruments and records.

Epigene—heat and cold, water, wind, ice and organic agents; erosion, transportation and deposition considered with each of the agents.

Mountains, their origin and structure, geosynclines, isostasy. Glaciers, rivers, and lakes: continental drift. Evolution of continents and oceanic basins.

Section II

Palaeontology.—Fossils, their nature and modes of preservation and uses. Distribution of the main groups in time. Fauna and flora in relation to the past climates and geography. Importance of the study of fossils in problems of evolution. Study of the important genera of the invertebrate, vertebrate and plant fossils.

Section III

Stratigraphy.—Principles of classification and correlation of geological formations. Standard European geological formations—their lithological and palaeontological characters. Study of Indian stratigraphy likewise but in greater detail: physiographic and climatic conditions of the different epoches and systems. General knowledge of the foreign equivalents of Indian formations.

Section IV

Sedimentology.—The origin of sediments, characters of deposits: Tererestrial, fluviatile, marine, lacustrine, glacial, organic etc. Influence of environment on sedimentation; different types sedimentary environments and their characteristic features. Palaeocurrents and their significance: Flysch and Molasse. Cycles of sedimentation and denudation.

Note.—Candidates may be required to answer a specified number of questions from each of the above Sections.

(5) Indian Stratigraphy

Principles of stratigraphy—lithology, fossil content, order of superposition. Geological time scale; standard European Geological formations.

Chief divisions of Indian sub-continent—their physiographic, stratigraphic and structural features. Climate Peninsular and Extra-peninsular mountain ranges rivers and lakes, glaciers.

Structure and Tectonics of Indian sub-continent: Peninsula—Dharwar (Aravalli), Eastern Ghats, Satpura and Mahadevi strike trends and their relative ages. Extra-peninsula—Himalayan arc, Burmese arc, Baluchistan arc. Origin of the Himalayas and of the Gangetic plains.

Archaeen group: Distribution in the different parts of Peninsula and the correlation of the Dharwars of the different peninsular regions Extra-peninsular Archaeans. Mineral wealth of the Archaean.

Puranas—Cuddapah system and Vindhya system, their stratigraphy and their economic minerals.

The Palaeozoic group: System from Cambrian to Carboniferous, distribution, geological succession, and fauna of each.

The Gondwana group: Introduction, nomenclature, extent. Two-fold division. Geological succession and details of stratigraphy. Igneous rocks, Gondwanas in other continents. Structure of the Gondwana basins. Climate and sedimentation. Permo-carboniferous flora. Palaeogeography. Economic minerals of Gondwanas. Gondwana coal-fields.

The Upper Carboniferous and Permian systems in Himalayan and sub-Himalayan regions and their fauna. Upper Palaeozoic unconformity.

The Triassic and Jurassic systems of the extra-Peninsular region and Jurassics of Kutch; Stratigraphy and faunal characters in each.

The Cretaceous system of the extra-Peninsular region and of Narmada valley. Trichinopoly and other areas of the Peninsula, Igneous rocks and earth movements of Cretaceous.

Deccan traps: Distribution and extent Structural features. Dykes and sills. Petrology, chemical characters, alteration and weathering of traps. Lameta Beds. Inter-Trappeans and Infra-Trappeans. Age. Economic geology.

The Tertiary group: Break up of Gondwana land. Rise of the Himalayas. Facies and distribution. The Eocene, Oligocene and Lower Miocene systems, their distribution, stratigraphy and fauna. Siwalik system—distribution, constitution, climatic conditions, organic remains, divisions, correlation. The Plesitocene system—Divisions, glaciation, Indo-Gangetic Alluvium. Laterite. Recent changes of level along coasts.

(6) Petrology, Igneous, Sedimentary and Metamorphic

The scope of petrology, a systematic description of the more important groups of rocks.

The application of physical chemistry to igneous petrology. The phase rule, Equilibrium in silicate systems. Two component and three component systems. Order of crystallisation and intergrowths. Structures and textures of rocks and their interpretation. The crystallization of magmas. Diversity of igneous rocks. Petrographic provinces. Magma tectonics. Granitisation. Petrochemical calculations. Variation diagrams. Origin of a few important rock types.

Sedimentary rocks.—Their classification and characters. Sedimentary differentiation. The origin of sediments. Methods of study of sedimentary rocks, including sampling and separation of minerals of sedimentary rock sample; methods of representation of the results, of sedimentary mineral analysis, mechanical analysis of sediments. The applications of sedimentary petrography as in provenance studies, palaeogeography structural interpretation and in industry. Sedimentary environments.

Metamorphic rocks.—The scope of metamorphism. Agents of metamorphism. Types of metamorphism. The structures of metamorphic rocks. Grades and facies, composite, hybrid and injection gneisses. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

(7) Ore Genesis and Metallic and Non-Metallic Minerals

Ore Genesis.—The magma in its relation to mineral deposits; orthomagmatic deposits—pegmatic deposits—pyrometamorphic deposits—hypothermal, mesothermal and epithermal deposits.

Secondary enrichment: Oxidation, solution and precipitation in the zone of oxidation—Oxidized deposits and gossans—secondary sulphide enrichment.

Secondary deposits.—Deposits formed by mechanical processes of transportation and concentration (detrital deposits). Deposits produced by chemical processes of concentration in bodies of surface water by reactions between solution.

Deposits formed by evaporation of bodies of surface water, Mineral deposits resulting from processes of rock decay and weathering. Deposits formed by concentration of substances contained in the surrounding rocks by means of circulating waters.

General.—The form, structure and texture of mineral deposits—ore shoots. Classification of mineral deposits—Structural control of mineral deposits—Geological thermometers—Metallogenetic epochs and provinces.

Metallic Minerals.—The study of the following with reference to origin, mode of occurrence, distribution in India and uses :

Gold—Copper—Lead—Zinc—Aluminium—Magnesium—Iron—Manganese—Chromium—Strategic Minerals of India.

Non-Metallic Minerals.—Industrial geology; Refractories—Abrasives—Ceramics and glass making materials—Fertilizers—Natural paints and Pigments—Cements—Gem minerals.

The study of the following with reference to origin, mode of occurrence, distribution in India and uses :—

Mica—Vermiculite—Asbestos—Barytes—Gypsum—Garnet—Corundum—Kyanite—Sillimanite—Ochre—Graphite—Talc—Fluorspar—Beryl—Zircon.

Fuels

Coal.—Origin and classification of coal—Occurrence and distribution of coal in India—Indian reserves of coal—Conservation of coal in India.

Petroleum, Natural gas and Oil shale.—Its origin and accumulation—Gas and oil traps—Classification of oil and gas reservoirs. Petroleum bearing regions of India—Searching for new gas and oil fields.

Atomic energy minerals.—Uranium and Thorium minerals.

(8) Engineering Geology and Groundwater Geology

Engineering Geology.—The role of a geologist in engineering works. Engineering properties of rock—Specific gravity, porosity, sorption, compressive strength, tensile strength, modulus of elasticity for rocks, modulus of compression, Poisson's ratio, residual stresses, etc.

Rock deformation in nature, studies of the igneous, sedimentary and metamorphic rocks in relation to bearing strength of the foundation, resistance to sliding, water-tightness, grouting requirements and weathering.

Engineering properties of soils and elements of soil mechanics. Soil profile, soil moisture, size, shape and gradation of soil particles, soil classifications—porosity, void ratio, degree of saturation, permeability, density and unit weight of soil; liquid, plastic, shrinkage and consistency limits, swelling and expansion pressures, and shearing strength.

Dams.—And their classification, types of spill-ways with their parts; forces acting on the dams and their appurtenances, foundation and abutment problems and reservoir areas problems; construction materials for dams. Methods of exploration for dam sites.

Canal.—Investigations for canals, canal drains, and canal linings; sedimentation in canals and its control.

Tunnels.—Classification and nomenclature, Geological considerations affecting choice and construction of tunnels.

Highways.—Location and exploration for high-ways; materials of construction.

Bridges.—Classification, abutments and piers of bridges, bridge foundations and geological considerations thereof.

Buildings.—General considerations and types of building foundations and their geological aspects. Earthquakes and seismic design. Landslides and other crustal displacements and possibility of their prevention.

Groundwater Geology.—Sources of ground water, its occurrence, and origin. Importance of meteorology in hydrologic investigations. Hydrologic properties of water-bearing materials. The water-table and its fluctuations. Free and confined water.

Pressure surface, lowering of water table by pumping; different methods of prospecting for ground water. Drilling water-wells, their classification and construction, well records. Hydraulics of wells.

Testing wells for yields methods and equipment used. Impurities and treatment of natural water. Use and conservation of ground water.

(9) Elementary Mining Methods and Recovery of Metals and Minerals

Introduction.—Economic minerals, their distribution, sufficiency and production. A short history of mining.

Prospecting.—Surface and underground indications—geological and geophysical methods. Prospecting by trenches, test pits and boreholes. Purpose of boreholes. Simple methods of percussive and rotary boring. Computation of borehole records.

Development of deposits.—Position, shape and size of openings, methods of driving or sinking of adits, inclines and shafts, their temporary and permanent support. Ventilation, illumination, pumping and safety measures during shaft sinking. Sinking tools and equipment. Driving of main-haulage roads and development heading, their position, shape and size. Driving of levels, cross cuts, winzes and raises.

Methods of breaking rocks, use of explosives. Different types of explosives, their composition and uses. Gunpowder, dynamite, gelignite, fuses, detonators and exploders. Methods of examination of blasting holes, charging them, preparing the charge. Blasting practices, precautions and difficulties.

Methods of working; open cast mining; development, establishment of faces, production, transportation, safety precautions and protection against rain and ground water.

Coal mining methods: Elementary study of bord and pillar system, panel system and long-wall system of working.

Metal mining methods.—Elementary study of development of ore deposits, simple methods of stoping and ore handling in stopes. Support of excavation, Timber and steel supports. Their application for supporting shaft bottom haulage landings, main roadways, the development of galleries and production faces.

Methods of handling materials.—Haulage—Rope haulages. Haulage engines. Application of haulages on the surface and underground. Winding—Elementary study of winding engines, winding equipment and shaft fittings.

(10) Mining Geology, Ore Beneficiation and Mineral Economics

Mining Geology.—Relation of Geology to mining industry. Field techniques of mining geology—Drilling. Examination and developing prospects, geological work at an operating mine. Laboratory methods employed in mining geology. Interpretation, correlation and use of field data. Preparation of maps, models, illustrations and their uses. Writing of reports.

Prospecting: Regulations, field-equipment method of transportation, field tests and measurements; Guides—physiographic, mineralogical, stratigraphic, lithologic and structural—for location of ore deposits. Targets and loci. Methods of surface and underground prospecting, including pit, shaft, trench sinking, bulldozing, borehole drilling, sampling and assaying methods. Fundamentals of geophysical, geochemical and geobotanical prospecting.

Methods of mining, including openpit, alluvial and underground methods. Support of excavations. Elementary ideas about explosives used for rock-breaking and blasting. Transportation and hoisting. Mine drainage and pumping. Ventilation and illumination. Mine organisation. Management. Safety works, Mine laws.

Mine examination, theory and methods of sampling. Salting and its safeguards. Treatment of samples, sampling calculations. Calculation of ore reserves. Determination of cost of mining, capital expenditure and amortization. Determination of present value. Estimation of the future costs and profits and the life of a mine. Valuation of a prospect. Preparation of a valuation report.

Ore beneficiation.—Nature and scope. Relation to smelting; utility. Properties of minerals in relation to their dressing. Preliminary processes of concentration, such as crushing, grinding and sizing. Preliminary washing and sorting, heavy fluid separation, jigging, tabling, flocculation and dispersion, flotation and agglomeration, electrostatic and

centrifugal separation amalgamation and heat treatment methods; treatment of concentrates by dewatering, filtration, drying and thickening methods; dressing systems and plants; flow sheets of common types. Application of ore microscopy to ore beneficiation techniques.

Dressing of metallic ores.—Sulphide ores, non-sulphide ores and nativemetals—Gold, Silver, Copper, Lead, Zinc, Manganese, Tin, Titanium and Chromium.

Dressing of non-metallic ores.—Graphite barites, gypsum, steatite, clyas and coal. Coal washing with special emphasis on Indian conditions.

Mineral Economics.—Definition; importance of minerals in national economy, pattern of mineral relationships, geographic and political factors in mineral use, features peculiar to mineral industries, economic factors common to mineral and manufacturing industries. Demand, supply, cartels, substitutes, market speculation and production costs, changing mineral requirements; international nature and movement of minerals, trade restrictions, tariffs, quotas and embargoes, production incentives, foreign development and exploitation of mineral raw materials, strategic, critical and essential minerals. National mineral policy. Mineral concession rules in India. Mineral production of important minerals in India.

Total world resources, reserves and production of important minerals, importance of steel and fuels in modern economy, impact of atomic energy on conventional fuels.

(11) Geology of Coal and Oil

Coal.—Varieties of coal. Origin and mode of occurrence of coal. Physical characters and chemical constituents of coal. Blended constituents of coal, their characters and identification, classification and rank and grade of coal. Washing of coal and briquetting. Carbonisation. Coal petrography.

Mining of Coal.—Elementary study of coal mining methods. Structural features of coal seams. Conservation of coal. Utilisation of coal.

Methods of sampling of coal in mines and in laboratory. Ultimate and proximate analysis of coal. Determination of caking index and calculation of calorific value. Prospecting of coal and valuation of coal-bearing lands.

A detailed study of the coal fields of India with particular reference to their distribution, grades, exports and imports, reserves and future prospects. Coal-bearing formations and regions of the world.

Petroleum.—Occurrence of oil and natural gas—surface and subsurface; reservoirs and petroleum pools. Geologic history, origin migration and accumulation. Petroleum provinces. Petroleum prospecting—geological and different geophysical methods. Features of oil drilling. Method of estimating oil recoveries as also of reserves, uses of associated product.

A detailed study of the oil-bearing regions of the Indian sub-continent with particular reference to Assam. Prospects of oil-finding in other parts of India. Distribution of oil and gas fields in the world and known oil and gas reserves.

NOTE.—Candidates may be required to answer two-thirds of the required number of questions from Oil Geology part and one-third from the Coal Geology part.

(12) Exploration Geophysics

Fundamental principles of exploration geophysics.

Gravity Prospecting.—Factors causing variations in gravity; latitude effects. Absolute gravity measurements—the pendulum—theory and recording methods. Gravimeters—design and operating principles; types of gravimeters, calibration, levelling and photo-grammatic mapping field operations—drift curve and closure, corrections and field calculations. Eotvos torsion balance—theory of torsion balance. The gradients of gravity and the curvature conditions of equipotential surfaces. Gravity calculations and interpretation. The source of gravity variations; gravity effects of geometrical forms; graphical and numerical computation methods; Depth estimation; Relation of gravity anomalies to geologic structure.

Magnetic Prospecting.—History of magnetic prospecting; theory of earth inductor, dipneedle and Hotchkiss superdip,

Field variometers—their description, theory, calibration. Field operation, correction; and reduction of field data. Magnetic surveys, quantities measured by vertical and horizontal magnetometers.

Magnetic anomalies and interpretation—source of magnetic variations; magnetic interpretation; the relation between magnetic and gravitational effects. Relation between vertical magnetic and curvature effects for irregular forms; magnetic effects of buried well casing; applications of magnetic prospecting; depth estimation. Illustration of magnetic surveys.

Airborne magnetometer.—Instrumentation, operating procedures; interpretation of aeromagnetic data; advantages and limitations of aeromagnetic surveying; results of some typical aeromagnetic surveys.

Electrical Prospecting.—Classification of methods. Spontaneous polarisation method, operational principle, field equipment, measurement and interpretation; results of field work.

Equipotential line methods.—Introduction; layout of Survey; relative merits of A.C. & D.C., point and linear electrode system; interpretation of results.

A.C. potential ratio method.—Field operations; plotting and interpretation of results; application of ratio-meter to comparison of magnetic fields; the two coil system of balancing; theoretical considerations.

Resistivity methods.—Operating principles; fundamental derivations of current flow; larger problems, electrode configurations; depth estimation; near surface inhomogeneities. Analysis of resistivity data; Field procedure and equipment; examples of field work.

Electromagnetic methods.—Physical principles; measurement of magnetic fields; conductive equipment for energising the ground; magnetic measuring equipment. Inductive measurements; search coils; directional properties; inductive equipment; horizontal and vertical loop methods—apparatus, operation, field procedure and plotting and interpretation of results.

Absorption of electromagnetic waves.—Phase of secondary field; elliptical polarisation. Compounding of elliptical fields; field of horizontal loop; use of double coils when secondary fields of great magnitude are obtained.

Seismic Prospecting.—Methods of seismic prospecting—(a) General considerations (source of energy, energy transmission periods, transmission of shot instant); (b) Fan shooting method; (c) Refraction method, travel times on single and multiple horizontal and inclined contacts; (d) Reflection method. Instruments, travel times, average velocity, calculation and interpretation. Reduction of seismic observations; weathering corrections.

Elementary theory, description and calibration of seismographs; time marking; recording equipment; magnetic tape. Recording equipment for seismic prospecting. Seismic field operations; the detector spread; multiple and pattern shooting. Shot hole drilling; explosives—various types used, electrical firing circuits, care in handling explosives, safety regulations. Surface velocities; marking seismograph records; mapping the results; interpretation of results; limitations of seismograph mapping.

Radioactive Prospecting and Well-Logging Methods.—Radioactive methods; Methods of radioactive prospecting; portable radiation meters and scintillometers, Radiometric surveys. Airborne surveys. Applications of radioactive methods.

Electrical logging; Resistivity and self potential measurements, electrode configurations; electrofiltration; electrochemical interpretation. Instrumentation.

Temperature measurement in bore-holes, gradients; Water and cement logging.

Radioactivity well-logging, theory; instrumentation; interpretation; typical response curves; effect of casing. Neutron logging. Comparison of radioactivity and electrical logs. Applications and field examples.

(13) Geochemistry, Photogeology and Nuclear Geology

Geochemistry.—Scope of Geochemistry; age, origin and composition of the universe; composition of meteorites.

cosmic abundance of elements, origin of elements; structure and composition of the earth, primary geochemical differentiation of the earth, geochemical classification of the elements.

Principles of crystal structure, different classes of bonds, ionic radius, coordination number, structure of silicates, isomorphism, atomic substitution and polymorphism.

Magma and igneous rocks, crystallisation of a magma, Goldschmidt's rules of camouflage, capture and admittance; minor elements in magnetic crystallisation, residual solutions and pegmatites, volatile components of a magma, magmatism and ore deposition.

Geochemistry of sedimentation, Goldich's stability series, physico-chemical factors in sedimentation, ionic potential, hydrogenion concentration, oxidation-reduction potential, colloidal processes, products of sedimentation.

Metamorphism as a geochemical process, mineral transformations and the facies principles, ultrametamorphism.

The geochemical cycle.

Geochemistry of Li, Na, K, Rb, Cu, Ag, Au, Be, Mg, Ca, Sr, Ba, Zn, Cd, Hg, Al, Sc, rare earths, Ga, In, C, Si, Ge, Sn, Pb, Ti, Zr, Hf, Th, N, P, As, Sb, Bi, V, S, Cr, Mo, W, U, F, Mn, Fe, Co and Ni.

Elementary principles of geochemical prospecting.

Photogeology.—Photo reading and interpretation; instrumentation and measurements study of mosaics, interpretation of physiography, stratigraphy and structure; use of aerial photographs in geological mapping; interpretation of aerial photographs in petroleum geology, mining geology, engineering geology and hydrological studies.

Nuclear Geology.—Radio Activity: α , β and γ rays their properties; qualitative discussion on the decay theories, Artificial radioactivity, nuclear accelerators, nuclear reactions, nuclear energy and its peaceful uses.

Detailed study of the minerals of Uranium, Thorium, Beryllium and the rare earths with reference to their composition, properties, origin, mode of occurrence, distribution, political control, prospecting (the Geiger Counter and its applications), uses, tests, prices and market.

Portable radiation meters and scintillometers. Radiometric surveys. Applications of radioactive methods.

(14) Tectonics

The origin of continents and oceans. Palaeogeographic conditions during each of the chief epochs of the earth's history. Earth movements, epeirogeny and mountain-building and their influence on sedimentation; Alpine and Himalayan Orogenies and latest developments on tectonic approach to continental drift. Geological Cycles. Structural units of the earth's crust. A detailed study of the structural and tectonic history of India.

(15) Advanced Stratigraphy

The principles of stratigraphy, Geological record and its imperfections. Sea-level and eustatic movements. The classification of rocks by age. Lithology. The use of fossils in correlation. Homotaxis and contemporaneity. Climatic variations. The distribution of animals and plants. The permanence of oceans and continents. The stratigraphical units. The orogenetic succession.

The Primeval era—Indian Pre-paleozoic—the Dharwar system, Purana group. Lewishians, Moinians, Daladians of British Isles, Laurentian, Huronian and Keweenawan systems of Canada. Equivalents in Africa, Australia and the United States.

The Palaeozoic era—general succession and fauna in each of the systems of the era, namely Cambrian, Ordovician, Silurian, Devonian, Carboniferous and Permian, along with the distribution of rocks of each of these systems in the world. Flora of the Devonian. The Old Red Sandstone—the terrestrial representative of this period. The Devonian Tectonic. The flora of the Carboniferous. The Gondwana land comprising India, Australia, Africa, and Eastern South America and its rock formations for Carboniferous and later periods with their flora.

The Mesozoic era—The distribution of the Triassic Jurassic and Cretaceous systems in the world and the 'life' in each.

The Cainozoic group—General features. Succession, and fauna and flora in each of its systems—Eocene, Oligocene, Miocene, Pliocene and Pleistocene, Pleistocene, glaciations, and their correlation.

Interglacial deposits.—A study of the distribution of land and sea in each of the different geological periods of the earth's history.

Orogeny.—Main European organic systems—Caledonian, Hercynian (or Variscan) and Alpine, and their divisions into epochs—Their American and other equivalents.

(16) Advanced Palaeontology

Palaeontology.—Definition, the organic world, the animal kingdom; classification of animals, their habitats and haunts. Definition of fossil. Nature of fossil record—uses of fossils.

Invertebrate Palaeontology

Protozoa.—Introduction, classes and orders. Foraminifera and Radiolaria—nature of the organism growth and reproduction and types of tests and their formation; classification and geological history.

Porifera.—Introduction nature of the animal—Fossilization, classification and geological history and distribution.

Coclenenterata.—Introduction, classification—Hydrozoa. Stomatoporoidea. Scyphozoa and Anthozoa and its sub-classes; Coelenterata as rock builders and their geologic history and evolution.

Bryozoa.—General characteristics and morphology. Geologic history and evolution.

Brachiopoda.—Introduction—the animal, Ontogeny, the Shell—its general morphology, external and internal morphology of the valves, composition and structures of the shell, classification, geologic history. Nature and stratigraphic uses of fossil brachiopoda.

Mollusca.—The animal, the shell, its development, modification in its shape, structure and compositions; Hingeline structures, dentition, classification, Lamellibranchia—animal, shell classification evolution and geologic history. Gastropoda—General considerations, morphology of soft parts, the shell and classification. Nature of fossil gastropoda. Cephalopoda—Nautilus, Architecture and structure of cephalopod shells; classifications—Nautiloidea, Ammonoidea; geologic history of cephalopoda. Ontogeny, stratigraphic range, nature of fossil record of the cephalopoda. Geologic history of the Mollusca.

Arthropoda.—Classes, Crustacea and Arachnoidea, Trilobita; morphology and exoskeleton, classification, ontogeny and phylogeny, fossil record and stratigraphic range. Insecta; geologic history, evolution and origin of the Arthropoda.

Schinoderma; Morphology, the skeleton and classification. Cystoidea, Crinoidea—Morphology and skeleton. Echinoidea; Soft Parts, the test, ecology, stratigraphic range and geologic history. Holothuroidea, phylogeny of the echinoderma.

Hemichordata :

Graptolithina.—Nature of the skeleton, classification, colonial development, geologic history and biologic affinities.

Vertebrate Palaeontology

Animals with backbones.—The sequence of vertebrates through geologic time; classification.

Jawless vertebrates.—The ostracoderms, and their evolutionary position. Placoderms.

Fishes.—Bony fishes, air breathing fishes, lung fishes. Appearance of the amphibians—labyrinthodonts.

Distribution of the early vertebrate-bearing sediments. Reptiles, their classification. Dinosaurs. Flying reptiles and Birds. Mesozoic era and its varied faunas.

Mammals.—Marsupials, Placentals, Evolution of the Primates. Carnivores Ungulates, Perissodactyls, Artiodactyls, elephants and their kin. Evolution of Horse; mankind.

Palaeobotany.—Elementary principles. A study of the flora of the past geological periods with particular reference to the Gondwanas of India.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight, and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal place when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres thus 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilograms; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) **General**.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid

conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

- (ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

<i>Distant Vision</i>		<i>Near Vision</i>	
Better eye 6/9 or 6/6	Worse eye 6/9 or 6/12	Better eye 0·6	Worse eye 0·8

NOTE (1).—Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

NOTE (2).—*Fundus Examination*: Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3).—*Colour vision*: (i) The testing of colour vision shall be essential.

- (ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of colour preception	lower Grade of colour preception
1. Distance between the lamp and candidates .. .	4·9 metres	4·9 metres
2. Size of aperture .. .	1·3 mm.	13 mm.
3. Time of Exposure .. .	5 sec.	5 sec.

For the services concerned with safety of the Public, e.g., pilots, drivers, guards, etc., the higher grade of colour vision is essential but for others the lower grade of colour vision should be considered sufficient. The same standards of colour vision should be applicable in respect of all engineering personnel in whose case colour perception is considered essential irrespective of the fact whether their duties involve field work or not.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edridge Greens shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4).—*Field of vision*.—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5).—*Night Blindness*.—Night Blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been

there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

NOTE (6).—(a) *Ocular conditions other than visual acuity*.—Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma, unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement, etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arms is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff, completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bent of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 m.m. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required, they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his

disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear;
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, severe degrees of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands, and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing, appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologists are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate, the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).....

2. State your age and birth place.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands,

spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis ?

OR

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. When were you last vaccinated ?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ?

6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age	Father's age	No. of bro-	No. of bro-
if living, and at death and others living, others dead,	cause of death their ages ages at and cause	RE	LE
state of health	and state of health		

Mother's age	Mother's age	No. of sisters living,	No. of sisters dead,
if living, and at death and others living, others dead,	cause of death their ages ages at and cause	RE	LE
state of health	and state of health		

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

8. If answer to the above is 'Yes', please state what Services/posts you were examined for ?

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known ?

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Candidates' signature.....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good..... Fair

Poor.....

Nutrition : Thin..... Average Obese.....

Height (without shoes) Weight.....

Best weight When ?.....

Any recent change in weight ?.....

Temperature.....

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : any obvious disease.....
3. Eyes.....
- (1) Any disease.....
 - (2) Night blindness.....
 - (3) Defect in colour vision.....
 - (4) Field of Vision.....
 - (5) Visual Acuity.....
 - (6) Ability for stereoscopic fusion.....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses		
			S.	Cyl.	Axis
Distant Vision					
RE					
LE					
Near Vision					
RE					
LE					
Hypermetropia (Manifest)					
RE					
LE					

4. Ears : Inspection..... Hearing : Right Ear..... Left Ear.....

5. Glands..... Thyroid

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully.....

8. Circulatory System :

(a) Heart, any organic lesions ?..... Rate : Standing..... After hopping 25 times..... 2 minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure : Systolic..... Diastolic

9. Abdomen; Girth.....

Tenderness.....

Hernia.....

(a) Palpably Liver..... Spleen.....

Kidneys..... Turmours.....

(b) Haemorrhoids

Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities.....

11. Loco-Motor System : Any abnormality.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance.....

(b) Sp. Gr.....

(c) Albumen.....

(d) Sugar.....

(e) Casts.....

(f) Cells.....

13. Report of X-Ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?.....

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

.....
.....

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE

.....

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories:

- (i) Fit.
 - (ii) Unfit on account of.....
 - (iii) Temporary unfit on account of.....
-
.....

President.....
Member.....

Place.....

Date.....

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geologist (Junior), Class I—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India :—

- (i) Geologist (Jr. Scale)—Rs. 400—40—800—50—950.
- (ii) Geologist (Sr. Scale)—Rs. 700—50—1,250.
- (iii) Regional Geologists—Rs. 1,100—50—1,400.
- (iv) Director—Rs. 1,300—60—1,600.
- (v) Director (Selection grade)—Rs. 1,600—100—1,800.
- (vi) Deputy Director General—Rs. 1,800—100—2,000.
- (vii) Director-General—Rs. 2,250—125—2,500.

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

2. Assistant Geologist, Class II—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay: Rs.—350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900.

(c) Recruitment to the Cadre of Geologist (Class I—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through DPC by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Geologists are liable for service anywhere in India or outside India.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

RESOLUTION

New Delhi, the 7th January 1970

No. F. 28-MT(19)/69.—In pursuance of the Government of India, late Ministry of Transport and Communication (Department of Transport) Resolution No. 24-MT(6)/52, dated the 17th August, 1959, as amended from time to time, and in supersession of the Ministry of Shipping and Transport Resolution No. 28-MT(19)/69, dated the 25th August 1969 published in Part I Section 1 of the Gazette of India on the 6th September, 1969, the Central Government hereby sets up for a period of two years a Merchant Navy Training Board, consisting of the following members and nominates Shri M. P. Bhargava, Member, Rajya Sabha to be the Chairman of the said Board, with effect from the date of publication of this Resolution :

- | | |
|--|--|
| 1. Shri M. P. Bhargava | Chairman. |
| 2. Director General of Shipping. | Vice-Chairman <i>Ex-officio.</i> |
| 3. Deputy Secretary, Ministry of Shipping and Transport dealing with the Merchant Navy Training Institutions. | <i>Ex-officio</i> Member. |
| 4. Deputy Secretary, Ministry of Finance dealing with the Ministry of Shipping and Transport. | Do. |
| 5. Nautical Adviser to the Government of India. | Do. |
| 6. Chief Surveyor with the Government of India. | Do. |
| 7. Principal, Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College, Bombay. | Do. |
| 8. Director Marine Engineering Training, Calcutta. | Do. |
| 9. Captain Superintendent, Training Ship 'Dufferin', Bombay. | Do. |
| 10. Captain Superintendent, Training Ship 'Bhadra', Calcutta. | Do. |
| 11. Shri S. D. Baswant, 164, North Avenue, New Delhi. | Representative of Parliament. |
| 12. Shri N. Ramakrishna Iyer, 41, North Avenue, New Delhi. | Do. |
| 13. Captain Sree Harilal Sarma, Commanding Officer, I.N.S. Mysore, C/o Fleet Mail Officer Bombay-1. | Representative of the Ministry of Defence. |
| 14. Shri V. R. Reddy, Asstt. Educational Adviser (Technical), Ministry of Education and Youth Services, New Delhi. | Representative of the Ministry of Education and Youth Services. |
| 15. Dr. A. Ramachandran, Director, Indian Institute of Technology, Madras-36. | Representative of the All India Council for Technical Education. |
| 16. Shri C. P. Srivastava, Chairman and Managing Director, Shipping Corporation of India, Bombay. | Representative of the Shipping Corporation of India. |

17. Shri T. M. Gokuldas, C/o Scindia Steam Navigation Company, Scindia House, Ballard Estate, Bombay.	Representative of the Indian National Steamship Owners Association.
18. Capt. B. D. Kataria, C/o. M/s. Dempo Steamships Ltd., Moti, Mahal J. Tata Road, Bombay.	Do.
19. Capt. J. C. Anand, C/o. M/s. Pent Ocean Steamships Pvt. Ltd., Fort House Building, 221, Dr. Dadabhoj Naroji Road, Bombay-1.	Representative of the Port Trusts.
20. Capt. D. Houghton/Capt. A. B. McSweeney (alternate member in the event of the Board's meeting in Calcutta).	Representative of the Calcutta Liners Conference (Crews) and the Owners' Agents Committee (Crews), Bombay.
21. Shri Rasiklal H. Narechania, C/o Malabar Steamship Co. Ltd., Darabshaw House, 10, Ballard Road, Bombay-1.	Representative of the Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry, New Delhi.
22. Shri J. D. Randri, C/o Maritime Union of India, National Insurance Building, 204, Dr. D. Naroji Road, Bombay.	Representative of the Maritime Union of India.
23. Shri Leo Barnes, C/o National Union of Seafarers of India, 4, Goa Street, Bombay.	Representative of the National Union of Seafarers of India.
24. Shri G. S. Banerjee, Dy. Director General of Shipping, Bombay dealing with Merchant Institutions, will act as Member-Secretary.	Navy Training of the Board.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, all the Ministries of the Government of India, all the State Governments, the Port Trusts and the Director General of Shipping, Bombay.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

No. F. 28-MT(21)/69.—The Central Government is pleased to make the following further amendments to the Merchant Navy Training Board Rules, 1967 issued *vide* Ministry of Transport and Shipping Resolution No. 28-MT(6)/67, dated the 10th August, 1967 published in Part I Section 1 of the Gazette of India on the 26th August, 1967, as amended from time to time :

The entry against item 3 of Rule 5 shall be substituted as follows :—

Ex-officio Member

(iii) Deputy Director General of Shipping dealing with the Merchant Navy Training Institutions.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Director General of Shipping, Jahazrani Bhawan, Wali-chand Hirachand Marg, Bombay-1, and all concerned interests.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

E. KOLET, Jr. Secy.

